Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 69 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

उद्धव ठाकरे ने लगाया कोताही बरतने का आरोप, बोले-चुनाव आयोग के अधिकारी वेतन किस काम का ले रहे हैं?

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर महानगर पालिका के चुनाव में अव्यवस्था बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया इस चुनाव में इतनी शिकायतें हमें सुनने को मिली है, जितना किसी भी चुनाव में नहीं मिली। इस तरह की स्थिति एक लोकतांत्रिक प्रणाली में बिल्कुल ठीक है। उद्धव ठाकरे ने प्रेसवार्ता में कहा कि महाराष्ट्र नगरपालिका के चुनाव में मतदाताओं के हाथों में इंक लगाई जा रही है, जिससे यह जाहिर हो सके कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। मुझे भी व्यक्तिगत तौर पर इस संबंध में कई शिकायतें मिल चुकी हैं, जो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि मतदान के दौरान एक मंत्री को भी अपने पोलिंग बूथ खोजने में इतनी जद्दोजहद करनी पड़ी। इससे ज्यादा दुखद हमारे लिए क्या हो सकता है?

उन्होंने कहा कि इस पूरी स्थिति ने चुनाव के दौरान बरती गई अव्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। जिस तरह की अव्यवस्था चुनाव आयोग के द्वारा बरती जा रही है, उससे यह साफ जाहिर होता है कि लोकतंत्र की हत्या करने की साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने मांग की कि महानगर पालिका के चुनाव में बरती जा रही कोताही को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग के कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कई साल बाद महानगर पालिका के चुनाव हो रहे हैं। इसके बावजूद भी इस तरह की कोताही सामने आ रही है। आखिर चुनाव आयोग क्या कर रहा है? इस आयोग में काम करने वाले अधिकारी किस बात का वेतन ले रहे हैं? चुनाव आयोग भी एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का सेवक है, न कि राजा। जिस तरह की अव्यवस्था एक लोकतांत्रिक प्रणाली में दिख रही है, वह अनुचित है।

पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में 5 लोगों की मौत, 10 घायल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जिले के बैरसिया थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब एक पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार लोग मकर संक्रांति के अवसर पर नर्मदापुरम में पवित्र स्नान कर वापस लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बैरसिया थाना प्रभारी विजेंद्र सेन ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। मृतकों की पहचान मुकेश अहिरवार (40), बाबरी बाई (60), दीपक (14), लक्ष्मी बाई (60) और हरि बाई (60) के रूप में हुई है। सभी मृतक मध्य प्रदेश के सिरोंज क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल 10 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल के हमीदिया अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सेना दिवस पर कांग्रेस नेतृत्व ने किया वीर जवानों को नमन

नई दिल्ली। सेना दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने भारतीय सेना के शौर्य, त्याग और निस्वार्थ सेवा को सलाम किया। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिवारों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। खर्गे ने भारतीय सेना को राष्ट्र की अडिग ढाल बताते हुए कहा कि सेना कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करती है, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के दौरान स्थिरता बनाए रखती है और प्राकृतिक आपदाओं के समय निस्वार्थ सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि जवानों का अदम्य साहस, उच्च पेशेवर दक्षता और बलिदान की भावना देश को सुरक्षित रखती है, जिसके लिए पूरा राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सेना दिवस पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में हर समय तत्पर रहने वाले हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक बधाई। राहुल गांधी ने जवानों के साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1949 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जब फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा ने भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला था।

एजेंसी के काम में रुकावट न डालें- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

आई-पैक रेड मामले में ममता सरकार को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आई-पैक रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफदर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां ? किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है?

ईडी ने 8 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस के ईडी हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान ष्टरूममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

कोर्ट रूम लाइव- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने श्वष्ठ का पक्ष रखा। कबिल सिब्बल ने बंगाल सरकार की दलीलें रखीं।

सुप्रीम कोर्ट: आप वहां किसलिए गए थे? किस बात की जांच चल रही थी?

सॉलिसिटर जनरल: ईडी अवैध कोयला घोटाले की जांच के लिए गई थी। सरकार कह रही है कि हम एसआईआर डेटा जब्त करने गए थे। एसआईआर डेटा पहले से वेबसाइट पर उपलब्ध है! कोई मूर्ख ही वह जब्त करने के लिए वहां जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट: क्या इस कोयला घोटाले की जांच चल रही है?

सॉलिसिटर जनरल: जी हां। कोयले का भुगतान कैश में किया जाता था। समन का कोई जवाब नहीं मिला। एक हवाला चैनल की पहचान की गई है। लगभग 20 करोड़ कैश आई-पैक को ट्रांसफर हुए। इसलिए 8 जनवरी को कंपनी के 10 ठिकानों में तलाशी ली गई।

सुप्रीम कोर्ट: क्या यह वही आई-पैक है जिससे पहले श्री प्रशांत किशोर जुड़े थे?

सॉलिसिटर जनरल: जी हां। हमने पहले ही अधिकारियों को ईमेल पर इसकी जानकारी दी धी। हमें राजनीतिक गतिविधियों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। हमें नहीं पता कि वे क्या छिपाना चाहते थे कि मुख्यमंत्री पूरी पुलिस फोर्स के साथ अंदर घुस आईं?

कपिल सिब्बल : कोयला घोटाले में आखिरी बयान फरवरी 2024 में दर्ज किया गया था; तब से ईडी क्या कर रही थी? चुनावों के समय अचानक कार्रवाई क्यों? पश्चिम बंगाल में चुनाव का जिम्मा आई-पैक के पास है। पार्टी ने 2021 में आई-पैक के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट किया था। उसके पास पार्टी की कई जानकारियां है। श्वष्ठ को सब पता है। चुनाव के बीच में वहां जाने की क्या जरूरत थी?

सुप्रीम कोर्ट: पश्चिम बंगाल में चुनाव आई-पैक कराती है या चुनाव आयोग?

कपिल सिब्बल : आई-पैक के पास कई तरह के आंकड़े रखे जाते हैं। जब ईडी वहां गई, तो उन्हें पता था कि पार्टी से संबंधित कई डेटा वहां मौजूद होंगे।

सुप्रीम कोर्ट (मजाकिया लहजे में): सॉलिसिटर जनरल कह रहे हैं कि अगर चुनाव के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग होती है, तो इसमें ईडी की क्या गलती है?

कपिल सिब्बल : आई-पैक डायरेक्टर प्रतीक जैन के लैपटॉप में चुनाव से जुड़ी सारी जानकारी थी। श्वष्ठ वह जब्त करना चाहती थी। ममता सिर्फ उनका और आईफोन लेकर गई थीं। ष्टरू ने रेड में कोई दखल नहीं डाली थी।

सुप्रीम कोर्ट : आपका दावा गलत है। अगर श्वष्ठ का इरादा कुछ जब्त करने का होता, तो वे जब्त कर लेते, लेकिन कुछ भी जब्त नहीं किया गया।

ईडी ने सुमाया ग्रुप पर कसा शिकंजा, 35 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त; फर्जी लेनदेन का पर्दाफाश

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत एम/एस सुमाया ग्रुप और उसके सहयोगियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने लगभग 35.22 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। इनमें बैंक बैलेंस, डीमैट होल्डिंग्स और म्यूचुअल फंड जैसी चल संपत्तियां शामिल हैं, साथ ही दो अचल संपत्तियां भी हैं। यह कार्रवाई वर्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई जांच का हिस्सा है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उसके प्रमोटरों और अन्य व्यक्तियों तथा संस्थाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि इन लोगों ने भविष्य के 'नीड टू फीड प्रोग्राम' के फायदों का झांसा देकर 137 करोड़ रुपए की रकम का गबन किया। ईडी की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सुमाया ग्रुप और उसके सहयोगियों ने फंड और ट्रेड फाइनेंसिंग हासिल करने के लिए हरियाणा सरकार का एक फर्जी अनुबंध तैयार किया। इसकी आड़ में उन्होंने गैर-मौजूद कारोबारी गतिविधियों को असली टर्नओवर के रूप में पेश किया। जांच से पता चला कि ग्रुप की कंपनियों से मिले फंड को प्रमोटर उशिक गाला ने एक एजेंट के जरिए दिल्ली और हरियाणा की फर्जी कृषि व्यापारी संस्थाओं को भेजा। इसका मकसद नकली खरीद को असली दिखाना था। वास्तव में कोई कृषि उत्पाद की खरीद हुई ही नहीं। इसके बजाय ये डायवर्ट किए गए पैसे अन्य शेल कंपनियों से नकद और आरटीजीएस एंट्री के मिश्रण से उशिक गाला के पास वापस लौटाए गए।

सेना दिवस पर पीएम मोदी ने किया भारतीय सेना के शौर्य को सलाम

राष्ट्रपति से गृह मंत्री तक गूंजा सम्मान का स्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन नेताओं ने भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन और बलिदान को सलाम किया। इस मौके पर हर नेता के संदेश का स्पष्ट फोकस सेना की निस्वार्थ सेवा, राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान पर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा की मिसाल है, जो सबसे कठिन हालात में भी दृढ़ संकल्प के साथ देश की रक्षा करती है। उन्होंने सैनिकों के कर्तव्यबोध को देशवासियों में विश्वास और कृतज्ञता जगाने वाला बताया और कर्तव्य पथ पर शहीद हुए वीरों को नमन किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू :एकता, संप्रभुता और मानवता की रक्षक

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सेना देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में हमेशा अग्रिम पंक्ति में रही है। उन्होंने सीमाओं के साथ-साथ आपदा, संकट और मानवीय सहायता में सेना की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह : वैश्विक सम्मान और आधुनिक सेना का संकल्प

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने अपने पेशेवर कौशल, अनुशासन और मानवीय सेवा से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार सेना का निर्माण किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने सेना के अधिकारियों, जवानों और पूर्व सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में उनका साहस और बलिदान हर नागरिक को प्रेरणा देता है। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है, जो हर पीढ़ी के भारतीयों में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करता है।

एनसीआर में जहरीली हवा और शीतलहर का डबल अटैक, ग्रेटर नोएडा-दिल्ली टॉप प्रदूषित इलाकों में शामिल

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाकों में ग्रेटर नोएडा का नाम लगातार ऊपरी पायदानों में बना हुआ है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) रेड जोन में दर्ज किया जा रहा है, जिससे आम जनजीवन पर सीधा असर पड़ रहा है।

नोएडा की बात करें तो यहां सभी सक्रिय मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में है। सेक्टर-1 नोएडा में एक्यूआई 359 दर्ज किया गया, जबकि सेक्टर-125 नोएडा में 352, सेक्टर-116 नोएडा में 347 और सेक्टर-62 नोएडा में 342 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि नोएडा की हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। दिल्ली की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। कई इलाकों में एक्यूआई 350 से ऊपर पहुंच गया है। चांदनी चौक में एक्यूआई 384, अशोक विहार में 376, बवाना में 373, पंजाबी बाग में 386, ओखला फेज-2 में 383 और पुसा में 399 एक्यूआई दर्ज किया गया। नेहरू नगर दिल्ली में तो एक्यूआई 397 तक पहुंच गया, जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है।

केंद्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ का चुनाव अवैध घोषित, रजिस्ट्रार ने दोबारा चुनाव कराने आदेश दिया

केंद्रीय गोंड महासभा के वरिष्ठों ने आदेश की जानकारी दी

दुर्ग (समय दर्शन)। केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ (पंजीयन क्रमांक-332) के अध्यक्ष पद को लेकर अक्टूबर-2025 में हुए चुनाव को अवैध घोषित कर दिया। गया है। यह आदेश फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ रजिस्ट्रार पद्मिनी भोई साहू द्वारा 8 जनवरी 2026 को जारी किया गया है।

चुनाव को अवैध घोषित करने का कारण चुनाव में अनियमितता बरतना, अपूर्ण व भ्रामक जानकारी देना एवं फर्म्स व संस्थाएं के नियमावली का उल्लंघन करना बताया गया है। रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं द्वारा जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के पंजीकृत नियमावली के अनुसार वैधानिक सदस्यों के बीच पुनः विधिवत चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण कर चुनाव की जानकारी अधिनियम की धारा-27 के अधीन सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ को अवगत कराएं। यह आदेश फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ ने केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के अध्यक्ष एवं चनाव में प्रत्याशी रहे। एमडी ठाकुर एवं महासभा के प्रवक्ता विष्णु ठाकुर के शिकायत पर दी है। शिकायतकर्ताओं द्वारा चुनाव के पूर्व और चुनाव के बाद भी अनियमितता और संस्था के नियमावली के उल्लंघन की शिकायत की गई, लेकिन चुनाव अधिकारी द्वारा उसे नजरअंदाज किया जाता रहा। रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं के फैसले से केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के अध्यक्ष समेत कार्यकारिणी के अलावा गोंड समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है। फलस्वरुप महासभा के पदाधिकारियों, संरक्षक, जिला अध्यक्षों, तहसील अध्यक्षों व समाज के अन्य लोग बुधवार को गोंडवाना भवन सिविल लाईन दुर्ग में जुटे और आमसभा का आयोजन कर शहीद वीर नारायण सिंह की जयंती मनाई। साथ ही फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ के आए फैसले पर खुशियां जाहिर की। इस दौरान महासभा के अध्यक्ष एमडी ठाकुर ने कहा कि सत्य जरुर परेशान हो सकता है, लेकिन कभी पराजित नहीं होता है। उन्होंने फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ द्वारा चुनाव के अवैध संबंधी फैसले पर संतोष जताया।

भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो-डॉ. सम्पत अग्रवाल

कक्षा 4थीं के अर्धवार्षिक पेपर में उपजे विवाद के दोषियों पर कार्यवाही

शिखा सोनी एवं नम्रता वर्मा निलंबित

महासमुन्द (समय दर्शन)। शिक्षा सत्र 2025-26 में आयोजित अर्धवार्षिक परीक्षा के कक्षा 4थी के अंग्रेजी प्रश्न पत्र में मोना के कुत्ते का नाम क्या है ? उत्तर के रूप में चार विकल्प दिए गए, जिसमे शेरू के साथ राम नाम का विकल्प भी है। राम हिन्दु धर्म के अराध्य देव हैं।

विकल्प के रूप में राम का विकल्प देने से धार्मिक भावना आहत हुई है। शिकायत की जांच के लिए गठित 05 सदस्यीय कमेटी के अभिमत अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय ने पेपर निर्माण कर्ता श्रीमती शिखा सोनी प्रधान पाठक शास. प्राथमिक शाला नकटी, (खपरी) विकासखण्ड-तिल्दा, जिला-रायपुर को दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया है।

साथ ही पेपर मॉडरेटर श्रीमती नम्रता वर्मा सहायक शिक्षक (संविदा) को सेवा से पृथक करने की कार्यवाही की जा रहीं है।

उक्त प्रकरण में दोषी शिक्षिका श्रीमती शिखा सोनी ने अपने स्पष्टीकरण में भूल स्वीकार करते हुए कहा कि,एक प्रश्न के विकल्प में रामू (ऋरू) के स्थान पर राम (ऋरू) शब्द अंकित हो गया। जो कि अज्ञान वश में अंकन हुई है। मेरे द्वारा रामू (ऋरू) में यू ( ) छूट गया। पुनः अवलोकन करने पर भी मेरा ध्यान त्रुटि में नहीं गया। मेरा उद्देश्य किसी भी प्रकार धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना या किसी धर्म/समुदाय का अपमान करना कदापि नहीं था।

प्रश्न निर्माण के समय यह शब्द त्रुटिवश अंकित हो गया, जिस पर मेरा ध्यान नहीं जा सका। इसके लिए मैं खेद प्रकट करती हूं, और क्षमा प्रार्थी हूँ।

-- श्रीमती शिखा सोनी
शिक्षिका
पेपर निर्माण कर्ता

इसी प्रकार श्रीमती नम्रता वर्मा सहायक शिक्षक (संविदा) में अपने स्पष्टीकरण में उल्लेख किया है, कि जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त कक्षा चौथी अंग्रेजी के 02 सेट प्रश्न पत्र में से 01 सेट प्रश्न बनाना था। इसमे से एक प्रति प्रश्न बहुविकल्पीय 4 विकल्प दिए गए थे, जिसमे से मैने विकल्प को यथावत रहने दिया। भूलवश एक विकल्प राम को ठीक से नहीं देख पाई। मुझसे जाने अनजाने में गलती हुई है। जिसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। मैं भविष्य में इस प्रकार की कोई गलती नहीं करूंगी न ही मेरी किसी धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने की मंशा थी, अतएव मुझे माफकरने की कृपा करें।

-- श्रीमती नम्रता वर्मा
शिक्षिका
पेपर, माडरेटर

साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर ने सहीं अनुभवी शिक्षक चयन नहीं करने पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, तिल्दा और सहीं मॉडरेटर शिक्षक का चयन नहीं करने पर प्राचार्य, शहीद स्मारक स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ विद्यालय, रायपुर को चेतावनी पत्र जारी किया गया।

विगत दिनों महासमुंद जिला में कक्षा चौथी के प्रश्न पत्र में आपत्तिजनक रूप से राम शब्द उल्लेख होने की घटना निंदनीय है।भगवान राम हम सभी के आराध्य हैं।परंतु इस घटनाक्रम में महासमुंद जिला शिक्षा अधिकारी विशेष मात्र जिम्मेदार नहीं है।शासन स्तर से इसके जिम्मेदार कर्मचारियों के ऊपर कार्यवाही की गई है।भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो ,इसका अधिकारियों कर्मचारियों को विशेष ध्यान रखना चाहिए।

-- डॉ.सम्पत अग्रवाल,
विधायक बसना

मेहमानी करने आए थे मृतक

हिमाचल में 3 बच्चों समेत 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत , आधी रात में अग्निकांड

नौहराधार, सिरमौर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में बीती रात एक दर्दनाक अग्निकांड में तीन बच्चों समेत छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक व्यक्ति को गंभीर हालत में रेस्क्यू कर सोलन अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की पुष्टि स्ठरूसंगड़ाह सुनील कायथ ने की है। आधी रात को भड़की आग ष्ठष्ट सिरमौर प्रियंका वर्मा ने बताया कि यह हादसा नौहराधार क्षेत्र के तलांगना गांव में रात करीब तीन बजे हुआ। जिस मकान में आग लगी, वहां कुल सात लोग मौजूद थे। इनमें से छह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। शॉर्ट सर्किट के बाद घर में रखा रुश्व सिलेंडर फट गया, जिससे आग ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते घर पूरी तरह जलकर राख हो गया।

यह अग्निकांड मोहन लाल के मकान में हुआ। बताया जा रहा है कि सभी मृतक यहां मेहमानी करने आए थे और रात में सो रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। आग की चपेट में आने से कुछ पालतू मवेशियों के भी जिंदा जलने की सूचना है। मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है—नरेश पुत्र दुर्गा सिंह, निवासी टपरोली, राजगढ़, तृप्ता पत्नी नरेश, निवासी टपरोली, राजगढ़, कविता पत्नी लोकेंद्र, निवासी खुमड़ा, चौपाल, सारिका पुत्री लोकेंद्र, निवासी खुमड़ा, चौपाल, कृतिका पुत्री लोकेंद्र, निवासी खुमड़ा, चौपाल, कृतिक पुत्र लोकेंद्र, निवासी खुमड़ा, चौपाल।

इस हादसे में लोकेंद्र गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को खो दिया है।

दुर्गम क्षेत्र, संचार व्यवस्था बाधित

स्ठरूसंगड़ाह सुनील कायथ ने बताया कि सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। आग पर काबू पा लिया गया है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

घटना स्थल अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जहां मोबाइल नेटवर्क भी उपलब्ध नहीं है। इसी कारण हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाने में कठिनाई आ रही है। प्रशासन सभी पहलुओं से जांच कर रहा है।

खबर-खास

हवन यज्ञ पूर्णाहुति के साथ हुआ शिव महापुराण कथा का समापन, बोहरडीह शिव भक्ति से सराबोर रहा

पाटन (समय दर्शन)। समीप के ग्राम बोहरडीह में साथ दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। इस आयोजन का समापन यज्ञ हवन पूजा के साथ हुआ प्रथम दिवस कलश यात्रा निकाली गई जिसके बाद पंडित अनिल तिवारी ने शिव महापुराण की कथा सुनाई । कथा के समापन अवसर पर बुधवार को हवन पूजन का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण बड़ी संख्या में भाग लिए। 7 दिवस के लिए ग्रामीण शिव भक्ति में सराबोर रहा।

औंसर में हुआ स्वास्थ्य मेला का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। विकास खंड पाटन के ग्राम पंचायत औंसर-डिघारी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के बीपी शुगर एवं अन्य मरीज किशोरी बालिकाएं कैंप में पहुंच कर स्वास्थ्य लाभ लिए शिविर में सरपंच श्रीमती प्रियालता महिपाल ,श्री आर के बंजारे, सेक्टर सुपरवाइजर, पीएससी रानीतराई, श्रीमती रेशम गुप्ता ष्टा।ह्व श्री अजय कुमार साहू क्रा।ह्व, श्री दीपक कुमार वर्मा क्रा।ह्व श्रीमती इंदिरा अहीर क्रा।ह्व उपस्थिति रहे द्य ग्राम औंसर एवं डिघारी के सभी मितानिन शिविर में उपस्थित हुए एवं ग्रामीणों ने भी स्वास्थ्य लाभ लिया।

लिमदरहा के युवक की जमदरहा पानी टंकी अहाता ग्राउंड के अंदर मिला शव

बसना(समय दर्शन)। थाना अंतर्गत पुलिस चौकी भंवरपुर के ग्राम जमदरहा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। ग्राम लिमदरहा निवासी 25 वर्षीय गौतम साहू का शव जमदरहा स्थित पानी टंकी अहाता ग्राउंड के अंदर पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही भंवरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। मृतक के पिता सूजन साहू के अनुसार, उनका पुत्र गौतम साहू 12 जनवरी 2026 को अपनी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक ष्टत्र06 ल्ट्ट 6352) से धान बिक्री का पैसा निकालने बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा चनाट गया था। दोपहर बाद बैंक से निकलने के बाद वह लापता हो गया और शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों द्वारा आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अगले दिन सोशल मीडिया पर एक अज्ञात शव की तस्वीर वायरल हुई, जिसके बाद परिजनों को इसकी जानकारी मिली। सूचना मिलने पर परिजन रिश्तेदारों के साथ घटनास्थल पहुंचे, जहां शव की पहचान गौतम साहू के रूप में की गई। प्रारंभ में ग्रामीणों द्वारा शव को अज्ञात समझा जा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चीर घर भेजा गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गौतम साहू ने बैंक से पैसे निकाले थे या नहीं। पुलिस के अनुसार युवक की मौत हत्या, आत्महत्या या दुर्घटना—किस कारण से हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। भंवरपुर चौकी पुलिस परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामले की गहन विवेचना कर रही है।घटना के बाद से क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

बालगृहों में स्वीकृत संविदा पदों के भर्ती के लिए 21 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के बालगृहों के लिए स्वीकृत संविदा पदों के लिए शासकीय बालगृह (बालिका) के 14 पद एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण राजनांदगांव के 1 पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए 21 जनवरी 2026 शाम 5.30 बजे तक आवेदन आमंत्रित की गई है। उक्त पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग राजनांदगांव में पंजीकृत डाक, स्पीड, पोस्ट, कोरियर के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाईट 222.ष्द्2ष्स्र.द्दश1.द्बठ्ठ, 222.ष्द्धह्वद्धह्वद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ तथा कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त कलेक्टोरेट कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक 11 राजनांदगांव सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य महिला आयोग ने दुर्ग में की जनसुनवाई, 35 मामलों पर हुई सुनवाई

कई मामलों में आपसी समझौते से निराकरण

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज प्रेरणा सभा कक्ष, बालगृह परिसर (पांच बिल्डिंग), महिला एवं बाल विकास कार्यालय दुर्ग में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। इस अवसर पर आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सह-प्रभारी श्रीमती लक्ष्मी वर्मा उपस्थित रहीं। यह जनसुनवाई प्रदेश स्तर पर आयोग की 358वीं तथा दुर्ग जिले की 13वीं जनसुनवाई थी, जिसमें कुल 35 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका द्वारा अपने पिता के विरुद्ध चल रहे प्रकरण से बचाव हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई में यह

तथ्य सामने आया कि संबंधित प्रकरण में न्यायालय द्वारा सजा दी जा चुकी है, जिससे प्रकरण न्यायालय में लंबित होने के कारण आयोग द्वारा नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में उभय पक्षों द्वारा यह बताया गया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, अत: प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। भाई-बहन के बीच पुश्तैनी संपत्ति से संबंधित विवाद में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से समाधान पर सहमति व्यक्त की। इंदिरा मार्केट स्थित लगभग 1000 वर्गफीट भूमि के तीनों हिस्सेदारों ने संपत्ति के विभाजन अथवा विक्रय के विकल्पों पर सहमति जताई, जिसके आधार पर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। दो शासकीय शिक्षकों के मध्य पारिवारिक विवाद में आपसी समझौता होने पर सुलहनामा प्रस्तुत किया गया। दोनों पिछले छह माह से साथ रह रहे हैं तथा आवेदिका द्वारा प्रकरण वापस लेने की इच्छा व्यक्त किए जाने पर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। इसी प्रकार, एक अन्य प्रकरण में पति-पत्नी के बीच समझौता होने की सूचना प्राप्त होने पर भी प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

बैगा ग्राम रंजकी में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के लोरमी विकासखण्ड स्थित दूरस्थ वनांचल बैगा ग्रामों में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिया जाता है। इसी कड़ी में बैगा ग्राम रंजकी में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 36 मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी के 04, सर्दी-खांसी के 09, दाद,खाज,खुजली के 05, बीपी के 02, कमजोरी एवं हाथ-पैर दर्द के 12, आंख संबंधी बीमारी के 02 मरीजों सहित अन्य 02 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। जिला क्षय-कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में संदेहास्पद टीबी मरीजों की बलगम सीसीनॉट मशीन में जांच के लिए एकत्र किया गया। इसके साथ ही बचाव व नियंत्रण के लिए पाम्पलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक अमिताभ तिवारी, पीएमडीटी समन्वयक धीरज रात्रे, आरएचओ मणिलाल पैकरा, मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ें : भूपेश बघेल

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के अंतर्गत हाल ही में नियुक्त किए गए सभी ब्लॉक अध्यक्षगणों ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भिलाई 3 निवास में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों ने पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपे गए नवीन दायित्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सौजन्य मुलाकात के दौरान सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे, आमजन

की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे तथा पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष के बल पर आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय, अनुशासन और जनसेवा की भावना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ने कहा।

श्री बघेल ने आगे कहा कि ब्लॉक अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके नेतृत्व और सक्रियता से ही कांग्रेस पार्टी गाँव-गाँव और हर वर्ग तक पहुँचती है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के नेतृत्व में जिला दुर्ग (ग्रामीण) कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती और दिशा मिलेगी। साथ ही उन्होंने सभी से एकजुट होकर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने एवं भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफसंघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

मुलाकात के दौरान आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों, आंदोलनात्मक गतिविधियों एवं जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा भी की गई।

राज्यपाल गोदग्राम बिजली पंचायत का होगा सर्वांगीण विकास किया जाएगा – राज्यपाल के सचिव प्रसन्ना

बिजली पंचायत के सतत् विकास के लिए राज्यपाल के सचिव सी आर प्रसन्ना, कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने ग्रामीणों से की चर्चा

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका द्वारा गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड को 5 जून 2025 को ग्राम पंचायत बिजली एवं आश्रित गांव मड़वाडीह को गोद लिया गया है। इस ग्राम पंचायत का सतत चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। इस संबंध में राज्यपाल के सचिव एवं सहकारिता सचिव सी.आर.प्रसन्ना ने औचक निरीक्षण कियां।इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उन्होंने ग्राम पंचायत बिजली को राज्यपाल द्वारा गोद लिये जाने की अवधारणा को ग्रामीणों एवं बिहान दीदीयों के बीच विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस ग्राम पंचायत का चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराया जाएगा। इसके लिए शासन प्रशासन,जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का सहयोग एवं समन्वय बेहद जरूरी है।

श्री प्रसन्ना ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बिजली में आजीविका संवर्धन हेतु एक विस्तृत एवं बहुआयामी कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र की पात्र महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और लखपति दीदी की श्रेणी तक पहुँचाना है।

उन्होंने ग्रामीण एवं बिहान दीदीयों से चर्चा करते हुए कहा कि कार्ययोजना के तहत अधिकारीकर्मचारियों द्वारा सर्वप्रथम ग्राम पंचायत की उन पात्र महिलाओं को चिन्हांकित किया गया है जो अब तक किसी भी स्व-सहायता समूह से नहीं जुड़ पाई थीं।इन महिलाओं को समूहों से जोड़कर सामूहिक बचत, ऋण एवं आजीविका गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।साथ ही ग्राम पंचायत के समस्त स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज से जोड़ा जा रहा है,ताकि महिलाओं को वित्तीय संसाधनों तक सहज पहुँच मिल सके।अधिक से अधिक महिलाओं को उद्यमी के रूप में विकसित करने तथा उन्हें इंटरप्राइज फाइनेंस से जोड़ने की भी योजना बनाई गई है।ग्राम पंचायत में मॉडल सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) का चयन किया जा चुका है,जो समूहों के मार्गदर्शन,निगरानी एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अतिरिक्त जेंडर रिसोर्स सेंटर के माध्यम से सामाजिक एवं लैंगिक सहायता व्यवस्था को मजबूत करने हेतु भी कार्ययोजना बनाई गई है, जिससे महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और परामर्श जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

15 लाख बकाया पर निगम का सख्त एक्शन, होटल मालवा सीलिंग की कार्रवाई

दुर्ग (समय दर्शन)। आयुक्त सुमित अग्रवाल के सख्त निर्देशों के बाद नगर निगम का राजस्व अमला बड़े बकायादारों एवं बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों पर लगातार शिकंजा कस रहा है। इसी क्रम में शहर के मालवा होटल पर आज बड़ी कार्रवाई की गई। निगम रिकॉर्ड के अनुसार मालवा होटल पर लगभग 15 लाख रुपये का कर वर्षों से बकाया है। इसके अलावा होटल द्वारा बिना वैध विज्ञप्ति/व्यवसाय लाइसेंस के संचालन किया जा रहा था। बकाया कर वसूली एवं नियमों के उल्लंघन को लेकर राजस्व अमला आज सीलिंग की कार्रवाई करने मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा।होटल प्रबंधन की ओर से बकाया राशि जमा करने के लिए समय की मांग की गई, जिस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार तत्काल भुगतान या वैधानिक प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बकाया कर नहीं चुकाने वाले एवं बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों के खिलाफकिसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी।

नव वर्ष को लेकर स्नेह सम्मेलन

गरियाबंद (समय दर्शन)। अलौकिक शक्ति केंद्र,ओम शांति भवन रानीपरतेवा में नव वर्ष की लेकर स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति का इतिहास त्याग और समर्पण से भरा हुआ है।भगवान श्रीरामचंद्र जी पितृ आज्ञा का पालन करते हुए राजमहल का त्याग कर वनवासी हो गए और भगवान श्रीकृष्ण जी,कारागृह में जन्म लेकर भी द्वारकाधीश हो गए,यह है विधाता द्वारा रचा गया संसार का खेल।आगे उन्होंने लोगो को पुराने वर्ष की विदाई और नव वर्ष की शुभकामनाएं आयोजित स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिए।साथ ही सभा को संबोधित करते हुए ओम शांति भवन के प्रबंधक राजयोगी बीके श्रवण कुमार ने जन्म से मृत्यु तक के जीवन चक्र के रहस्य को बतलाते हुए कहा-हर शिशु का जन्म रोते हुए होता है और जीवन यात्रा पूरा करते मृत्युसैया में पड़े हुए रोते हुए विदाई लेता है लेकिन नाम उनका अमर हो जाता है जो हंसते मुस्कुराते हुए इस संसार सागर से विदाई लेता है।जीवन की इस यात्रा में सुख दुख, मान अपमान,हार जीत की अवस्था में भी जो इंसान समरस रहता है,वह जिंदगी के सफर का आंनद लेते हंसते मुस्कुराते हुए संसार से विदाई लेता है और अपने श्रेष्ठ कर्मों के कारण इतिहास में अमर हो जाता है।कार्यक्रम में ओम शांति भवन की बढ़ती हुई सेवाओं के मद्देनजर राजयोगी बीके योगेश कुमार को अगला प्रबंधक नियुक्त कर उन्हें कार्यभार सौंपा गया।कार्यक्रम को जनपद सदस्य अवधराम साहू,सरपंच हेमलाल नेताम,भाजपा मंडल के संगठन मंत्री पालेंद्र साहू तथा ग्राम कनेसर के सरपंच ने भी संबोधित किए।तत्पश्चात राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अफसाना वंदना बहन ने परमपिता परमात्मा शिव तथा दिव्य शक्तियों को भोग स्वीकार कराई।

संस्कारों और संस्कृति की शिक्षा का मंच है केपीएस पाटन : सांसद विजय बघेल

पाटन (समय दर्शन)। केपीएस पाटन वार्षिक उत्सव समारोह विद्यालय कीशैक्षणिक उत्कृष्ट सांस्कृतिक चेतना एवं विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभा का सशक्त प्रमाण बना । कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत अनुशासित सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में किया गया जिसमें उत्साह उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत छात्राओं द्वारा पुष्प गुच्छ से किया गया। मुख्य अतिथि विजय बघेल लोकसभा सांसद दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि वार्षिक समारोह केवल मंचीय कार्यक्रम नहीं बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास अभिव्यक्ति एवं नेतृत्व क्षमता को निकालने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने शिक्षा संस्कार और अनुशासन को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। संस्कारी शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करती है जब शिक्षा को सांस्कृतिक आधार मिलता है तभी व्यक्तित्व पूर्ण रूप से विकसित होता है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की यादों को ताजा करते हुए बच्चों को जीवन मूल्यों का संदेश दिया । उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण अनुशासन और निरंतर परिश्रम का मंत्र दिया एवं बच्चों के द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रम में आत्मविश्वास एवं अनुशासन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। पालको को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि आपका बच्चा वही बनेगा जो आप उसे बनाना सिखाएंगे आज का छोटा प्रयास कल उनके भविष्य को रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि आज का यह मंच केवल रंगारंग कार्यक्रमों का नहीं बल्कि बचपन के सपनों मेहनत की मुस्कान और उज्जवल भविष्य का मंच है। अंत में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने इस सफल एवं भव्य वार्षिक समारोह के आयोजन के लिए विद्यालय परिवार की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों

तथा विद्यालय प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

प्रथम सत्र के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग जिले के एसएसपी विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा ही जीवन का मूल होना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की भूल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए उन्होंने विशेष रूप से दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के अनिवार्यता पर जोर दिया उन्होंने कहा कि जब सड़क दुर्घटना होती है तो उसका असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरा परिवार इस त्रासदी को वर्षों तक झेलता है , इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन करना किसी कानून का डर नहीं बल्कि अपने परिवार की प्रति हमारी जिम्मेदारी है । उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को स्कूल भेजने से पहले उन पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव न डालें बच्चों का मन कोमल होता है यदि उन्हें तनाव मुक्त माहौल मिलेगा तो वह आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे और अच्छे नागरिक अच्छे अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। संस्था की डायरेक्टर श्रीमती अनुपमा उपाध्याय ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में जीवन से जुड़े अनेक उदाहरणों एवं सारगर्भित सूक्तियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, परिश्रम और सकारात्मक सोच का संचार करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहां गुरु और शिष्य का संबंध केवल शिक्षा देनेङ्क्लेने का नहीं होता, यह जीवन को दिशा देने वाला, संस्कारों को गढ़ने वाला और व्यक्तित्व को निखारने वाला पवित्र संबंध होता है। शिष्य का जीवन एक कच्चे मिट्टी के पात्र के समान होता है, और गुरु वह कुम्हार होते हैं, जो अपने अनुभव, धैर्य और प्रेम से उसे एक सुंदर, उपयोगी और मजबूत रूप देते हैं।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री मयंक कटकवार ने कहा कि विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल और संस्कार का संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपनी कमजोरियों को अवसर में बदलें और लगातार प्रयासरत रहें।आप सभी के पास असीमित क्षमता और विशाल सपने हैं। आज आप जो संस्कार देंगे, वही कल उनके भविष्य की नींव बनेगा।

//शपथ पत्र//

मैं, सगनु लकड़ा आ. स्व. सुन्दर लकड़ा, उम्र लगभग 64 वर्ष, जाति उरांव, पेशा कृषि, निबासी- चिड़ापारा, पत्थलगांव, जिला जशपुर, छ.ग., शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :-

1. यह कि मेरा सही नाम सगनु लकड़ा है। मेरे आधार कार्ड में भी मेरा नाम सगनु लकड़ा सही दर्ज है। किन्तु वर्ष 2007-2008 के सर्वे सूची में मेरा नाम त्रुटिवश सगनु लकड़ा के स्थान पर सगनु राम दर्ज हो गया है।

2. सगनु लकड़ा एवं सगनु राम दोनो एक ही व्यक्ति हैं जो कि मैं स्वयं हूँ।

3. मेरे नाम में हुई भिन्नता को स्पष्ट करने के लिये तथा उक्त सवेर्सूची में मेरा नाम सुधार करने के लिये एवं उक्त तथ्य को दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु निष्पादित किया जा रहा है।

सगनु
सत्यापनकर्ता

सत्यापन

मैं, सगनु लकड़ा आ. स्व. सुन्दर लकड़ा, उम्र लगभग 64 वर्ष, जाति- उरांव, पेशा कृषि, निवासी- चिड़ापारा, पत्थलगांव, जिला- जशपुर, छ.ग., यह घोषित करता हूँ कि शपथ पत्र की उक्त कंण्डिका 01 से 03 में उल्लेखित समस्त कथन मेरी जानकारी में सही एवं सत्य है।

आज दिनांक 15.01.2026 को पत्थलगांव में इसे पढ़ाकर एवं समझकर इस पर अपना प्रस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

सगनु
सत्यापनकर्ता

चौबे कॉलोनी में युवती की नृशंस हत्या के विरोध में कांग्रेस का आजाद चौक थाना घेराव... पुलिस व राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी

रायपुर :- चौबे कॉलोनी में युवती वैदिका सागर की निर्मम एवं नृशंस हत्या की घटना के विरोध में आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में आजाद चौक थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि रायपुर शहर में लगातार हो रही हत्या, लूट, मारपीट और अन्य गंभीर आपराधिक घटनाओं से आम जनता भयभीत है। चौबे कॉलोनी में हुई इस जघन्य घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि पुलिस प्रशासन शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल हो चुका है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस की लापरवाही के कारण आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि पुलिस प्रशासन शहर में अमन शांति बनाए रखने के प्रति उदासीन रवैया अपनाए हुए है। जनता में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आजाद चौक थाना क्षेत्र में इस घटना के खिलाफ थाने के सामने प्रदर्शन कर पुलिस को जगाने का काम किया है। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में भाजपा सरकार को बने दो साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन राजधानी रायपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन ब दिन बदतर होती जा रही है। हत्या, लूट, चाकूबाजी, गैंगवार और महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे राजधानी के नागरिक भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। कल मुख्यमंत्री ने बैठक

जरूर ली, लेकिन उस बैठक में केवल इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा हुई, राजधानी रायपुर में बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्य योजना नहीं बनाई गई। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनता की सुरक्षा शामिल ही नहीं है। सड़क, भवन और पुल बनाने से पहले नागरिकों की जान की सुरक्षा जरूरी है। यदि राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो प्रदेश की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण में पूरी तरह विफल साबित हो चुके हैं। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा विकास उपाध्याय पंकज शर्मा कन्हैया अग्रवाल सुबोध हरितवाल दिलीप सिंह चौहान अरुण जंघेल देवकुमार साहू बंशी कन्नौजे प्रवीण चंद्राकर अजीत कुकरेजा मनोज कंदोई रितेश त्रिपाठी भावेश बघेल सुनील भुवाल राहुल इंदुरिया विनोद कश्यप हीरेंद्र देवांगन बबिता नत्थानि सुधा सरोज पद्मा कहार प्रीति सोनी सत्यनारायण नायक योगेश दीक्षित डोमेश शर्मा विकास अग्रवाल मनोज सोनकर अनिल रायचुरा वेंकट कुमार लक्ष्मण सेन सुयश शर्मा विनोद ठाकुर ओम श्रीवास कमल धृतलहरे ईश्वर चक्रधारी सोहन शर्मा सुशांत डे राहुल तिवारी डूमेंद्र दीप राज देवांगन मुन्ना मिश्रा ऋषि देवांगन दीपक चौबे मुकेश कुकरेजा आकाश दीवान जगदीप कौशिक आमीर खान विनय तिवारी नवीन लाजरस हर्षित जयसवाल जित्तु भारती यश साहू सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सचिव खनिज संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन श्री पी. दयानंद की पत्रकार वार्ता

रायपुर। सचिव खनिज संसाधन श्री पी. दयानंद ने बताया कि प्रदेश में 28 से अधिक प्रकार के खनिज विभिन्न क्षेत्रों में पाये जाते है। इन खनिजों के लिए राज्य सरकार के द्वारा अन्वेषण एवं उत्खनन हेतु खनिज ब्लॉक तैयार कर नीलामी एवं अन्य माध्यम से खनन हेतु उपलब्ध कराया जाता है। जिससे राज्य शासन को राजस्व की प्राप्ति में पिछले 02 वर्षों में उल्लेखनियवृद्धि हुई है। सी.एम.डी.सी. भी इस राज्य में अन्वेषण एवं खनन से संबंधित कार्यों के संपादन का सहभागी है। छत्तीसगढ़ राज्य के खनिज आधारित स्थानीय उद्योगों को खनिज के आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने तथा खनिज राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ खनिज साधन विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ मिनरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन (सी.एम.डी.सी.) का गठन 07 जून 2001 में किया गया। सी.एम.डी.सी. के कार्य संचालन का स्वरूप माईनिंग एण्ड मार्केटिंग ठेका,उत्खनन ठेका, मार्केटिंग ठेका, एमडीओ, अन्वेषण एवं संयुक्त उपक्रम के माध्यम सेअन्वेषण एवं खनन कार्य वर्तमान में कार्यरत् है। श्री दयानन्द ने बताया कि वर्तमान में 09 खनिजों के खनन/मार्केटिंग एवं अन्वेषण का कार्य सी.एम.डी.सी. के द्वारा किया जा रहा है (टिन,बाक्साईट, लौह अयस्क, कॉपर, हीरा, मैग्नीज, कोरण्डम, डोलोमाईट, कोयला)। (टिन) वर्तमान में सी.एम.डी.सी. के द्वारा बस्तर के अनुसूचित जनजातियों के जीविकोपार्जन के लिए विशेष रूप से टिन अयस्क की खरीदी का कार्य किया जा रहा है। संयुक्त उपक्रम के माध्यम से खनन एवं टिन स्मेल्टर का भी संचालन किया जा रहा है। यह खनिज भी क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में आता हैं। सचिव, खनिज संसाधन ने बताया कि पिछले दो वर्षों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को टिन विक्रय करने का सही मूल्य सही वक्त में उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। परिणामस्वरूप यह क्रय मूल्य बढ़कर वर्तमान में 1926.00 रूपये प्रति कि.ग्रा किया गया है। इस प्रकार लगभग 03 गुना अधिक राशि क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को प्राप्त हो रहा है। परिणामस्वरूप टिन ओर की क्रय मात्रा में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है एवं ऑनलाईन क्रय एवं रियल टाईम भुगतान की कार्यवाही प्रचलन में है। इस हेतु ङ्कढ्ढह्र - Tribal Incentive for Natural Resources, Portal तैयार किया जा रहा है जिसके माध्यम सेऑनलाईन भुगतान हितग्राहियों को प्राप्त होगा। श्री दयानंद ने बताया कि क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में अन्वेषण कार्य में सी.एम.डी.सी., मॉयल केसहयोग से बलरामपुर जिले में मैग्नीज एवं ग्रेफाईट का अन्वेषण का कार्य कर रही है।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु अंतर-विभागीय कार्ययोजना पर उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राज्य स्तरीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रायपुर में आयोजित की गई। यह बैठक लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न शासकीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को एक अनिवार्य एवं अभिन्न घटक के रूप में स्थापित करना रहा। इस अवसर पर संचालक श्री रघुवंशी ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है, जब वे मानसिक रूप से स्वस्थ, सशक्त एवं तनावमुक्त हों।

अंतर-विभागीय समन्वय से एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश- बैठक में अंतर-विभागीय समन्वय पर विशेष बल देते हुए श्री रघुवंशी ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को अपनी कार्यसूची में प्राथमिकता दें। प्रत्येक विभाग को अपनी-अपनी विस्तृत एवं विशिष्ट कार्ययोजना तैयार कर उसे तत्काल प्रभाव से धरातल पर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न विभागों की संसाधनों एवं विशेषज्ञता को समन्वित करते हुए एक एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया।

राज्य स्तरीय समिति निभाएगी सेतु की भूमिका- उल्लेखनीय है कि यह राज्य स्तरीय समिति प्रदेश के छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से गठित की गई है। समिति विभिन्न विभागों के बीच समन्वयक सेतु के रूप में कार्य करेगी, ताकि विद्यार्थियों को समय पर परामर्श, सहयोगात्मक सहायता एवं एक सकारात्मक, सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

तातापानी महोत्सव हमारी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक: मंत्री श्री रामविचार नेताम

रायपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला अपनी अनूठी संस्कृति और लोक परंपराओं के लिए अपनी विशेष पहचान रखता है। इसी गौरवशाली विरासत को संजोने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया। इस मौके पर आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मंत्री श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि तातापानी महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। प्रशासन और स्थानीय जनभागीदारी से यह आयोजन प्रतिवर्ष नई ऊंचाइयों को छू रहा है। महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री अनुज शर्मा रहे। उन्होंने अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की ऐसी जादुई प्रस्तुति दी कि पंडाल में मौजूद हजारों दर्शक मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर वनांचल की समृद्ध संस्कृति की छटा बिखेरी। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने न केवल पारंपरिक लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया, बल्कि जिले में हो रहे विकास कार्यों को भी रचनात्मक ढंग से मंच पर उतारा। अतिथियों ने बच्चों के इस हुनर की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम नागरिक मौजूद रहे।

बस्तर विकासखंड को दी 3.46 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर विकासखंड को दी 3.46 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की अविरल धारा को आगे बढ़ाते हुए आज वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने गुरुवार को बस्तर विकासखंड का सघन भ्रमण के दौरान तुरपुरा और कोटगढ़ में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 3 करोड़ 46 लाख 28 हजार रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया, जिसका सीधा लाभ ग्रामीण जनता और किसानों को मिलेगा।

इस दौरे का मुख्य फोकस किसानों के लिए सिंचाई सुविधा का विस्तार रहा। वन मंत्री ने जल संसाधन विभाग के अंतर्गत तुरपुरा जलाशय के व्यापक जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। लगभग 2 करोड़ 95 लाख 28 हजार रुपए की लागत से होने वाले इस कार्य में जलाशय बांध के ऊपर गिट्टी कार्य, नवीन स्लूस, वेस्ट वियर कार्य और नहर लाइनिंग व स्ट्रक्चर निर्माण शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कोटगढ़ में 20 लाख रूपए की लागत से बनने वाले नवीन पंचायत भवन, मुण्डागुड़ा में 5 लाख रुपये के रंगमंच निर्माण और केशरपाल में उसरीगुड़ा से नहरनी पहुंच मार्ग पर 5 लाख रूपए की लागत से बनने वाली पुलिया का भी भूमिपूजन किया गया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्र के भ्रमण के दौरान नये कार्यों की आधारशिला रखने के साथ ही ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए 21 लाख रूपए की लागत से निर्मित पक्की सड़कों का लोकार्पण भी किया। इसमें कुम्हली में मंगियापारा से मुख्यमार्ग तक, केशरपाल (सोरगांव) में हिरा घर से भागमन घर तक और सोलेमेटा में अक्षय घर से पंचू घर तक बनी तीन अलग-अलग सीसी सड़कें शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की लागत 7 लाख रूपए है। इस प्रकार वन मंत्री श्री कश्यप ने कुल 3 करोड़ 25 लाख 28 हजार रुपए लागत के नए कार्यों का भूमिपूजन और 21 लाख रुपए के पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर सार्थक प्रयास करने भरोसा दिलाया और इन योजनाओं के दूरगामी लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य केवल आधारशिला रखना नहीं, बल्कि समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित करना है।

खेती-किसानी को मिलेगा बढ़ावा

वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्र की सबसे बड़ी परियोजना 2.95 करोड़ रुपए की लागत वाले तुरपुरा जलाशय जीर्णोद्धार पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा बस्तर की आत्मा यहां के खेती-किसानी में बसती है। तुरपुरा जलाशय में नई स्लुइस गेट, वेस्ट वियर और नहरों की लाइनिंग का कार्य केवल कंक्रीट का निर्माण नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के लिए जीवनदायिनी है। नहरें पक्की होंगी और अंतिम छोर के खेत तक भी पानी पहुंचेगा, इससे न केवल सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, बल्कि किसान साल में एक से अधिक फसल लेने में सक्षम होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वहीं कुम्हली, केशरपाल और सोलेमेटा में 21 लाख रूपए की लागत से बनी सीसी सड़कों के लोकार्पण पर उन्होंने कहा कि कुम्हली के मंगियापारा, सोलेमेटा के अक्षय घर और केशरपाल के अंदरूनी इलाकों तक पक्की सीसी सड़कें बनकर तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

बजाज जनरल बीमा पेश करता है फीटल फ्लरिश - 1025 के किफायती प्रीमियम पर एक अग्रणी फेटल हेल्थ इंश्योरेंस ऑफर

पुणे: भारत की अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने आज भ्रूण स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक अभिनव इंश्योरेंस राइडर 'फीटल फ्लरिश' लॉन्च किया. यह अनोखा समाधान उन्नत गर्भस्थ (इन-यूटेरो) प्रक्रियाओं और उच्च-जोखिम गर्भावस्थाओं के लिए फाइनेंशियल सहायता प्रदान करता है, जो लंबे समय से पारंपरिक मैटरनिटी इंश्योरेंस के दायरे से बाहर रहा है. यह राइडर अपने प्रमुख प्रॉडक्ट, 'माय हेल्थ केयर प्लान' और 'हेल्थ गार्ड', के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है. फीटल फ्लोरिश मेडिकल विशेषज्ञता और इंश्योरेंस डिज़ाइन को एक साथ जोड़कर, प्रसव-पूर्व देखभाल की एक अहम आवश्यकता को पूरा करता है. जहां मैटरनिटी प्रॉडक्ट पारंपरिक रूप से डिलीवरी और प्रसव के बाद के उपचार पर ध्यान देते हैं, वहीं यह राइडर गर्भ के भीतर सबसे नाज़ुक चरण के दौरान अजन्मे शिशु की सुरक्षा पर केंद्रित है. माता और भ्रूण की देखभाल में बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 17 प्रतिशत महिलाएं 35 वर्ष की आयु के बाद बच्चे को जन्म दे रही हैं और इससे गर्भावस्था से संबंधित जटिलताएं बढ़ रही हैं. इसी दौरान, एम्नियोसेंटेसिस, फीटल रिडक्शन, फीटोस्कोपिक लेज़र सर्जरी और इंट्रायूटेराइन ट्रांसफ्यूज़न जैसी प्रक्रियाएं उच्च-जोखिम वाली गर्भावस्था के मामलों को संभालने के लिए आवश्यक हो गई हैं. अब तक, इन प्रक्रियाओं का पूरा खर्च परिवारों को ही उठाना पड़ता था, क्योंकि इसके लिए कोई खास इंश्योरेंस प्रॉडक्ट मौजूद नहीं था.

ऑइकॉनिक कैटेगरी लीडर ब्लेंडर्स प्राइड ने ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की

नईदिल्ली। भारत के प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है, जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है। ऊँचे स्तर की लग्ज़री और विशिष्टता को दर्शाने वाले आकर्षक ब्लैक डिज़ाइन में पैक किया गया ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन चुनिंदा व्हिस्की प्रेमियों के लिए बारीकी से तैयार किया गया है—वन इन अ मिलियन के लिए। केवल दस लाख बोतलों की उपलब्धता के साथ, यह एडिशन जितना रेयर है उतना ही रिफाइंड भी है। लग्ज़री की दुनिया में ब्लैक सिर्फ़एक रंग से कहीं अधिक है—यह एक एटीट्यूड, सोफिस्टिकेशन और पॉवर का प्रतीक है। लंबे समय से ब्लेंडर्स प्राइड से जुड़ा ब्लैक अब एक इनोवेटिव डिज़ाइन एक्सप्रेशन के रूप में केंद्र में आता है, जो प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को रिडिफाइन करता है। यह केवल नई पैकेजिंग नहीं है; यह उन लोगों के लिए स्टाइल की एक बोल्ड एक्सप्रेशन है जो ट्रेंड्स का पीछा नहीं करते बल्कि उन्हें बनाते हैं।

बंधन म्यूचुअल फंड ने कीमती धातुओं तक आसान और प्रभावी एक्सेस के लिए दो ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स लॉन्च किए

नईदिल्ली। बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ लॉन्च करने की घोषणा की है, ये दो ओपन-एंडेड स्कीम हैं जिन्हें निवेशकों को सोने और चांदी में निवेश करने का एक आसान, पारदर्शी और किफायती तरीका प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए फंड ऑफर (एनएफओ) सोमवार, 12 जनवरी 2026 को खुलेंगे और मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को बंद होंगे। बंधन गोल्ड ईटीएफ एफओएफ और बंधन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ में निवेश लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, निवेश सलाहकारों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या सीधे https://bandhanmutual.com/campaign/nfo/ पर किया जा सकता है। विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी, सीईओ, ने नए फंड्स के लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सोना और चांदी पोर्टफोलियो डावर्सीफिकेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन निवेशक इन एसेट्स तक कैसे पहुंचते हैं, यह मायने रखता है। फिजिकल मेटल में अक्सर शुद्धता, मेकिंग चार्ज, स्टोरेज और रीसेल को लेकर अनिश्चितताएं होती हैं, जबकि ईटीएफ के लिए डीमैट खातों की आवश्यकता होती है जिनका उपयोग अभी भी कई निवेशक नहीं करते हैं। फंड ऑफ फंड (एफओएफ) स्ट्रक्चर्ड डीमैट आवश्यकताओं जैसी बाधाओं को दूर करती है, एंट्री पॉइंट को 1,000 तक कम करती है, और 100 से शुरू होने वाली एसआईपी के माध्यम से अनुशासित निवेश को सक्षम बनाती है।

आईआईएम रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन की सामाजिक प्रभाव और समावेशी विकास के लिए साझेदारी

रायपुर: शैक्षणिक कक्षाओं को समुदायों के और निकट लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) ने सामाजिक प्रभाव, जन नीति, सस्टेनेबिलिटी और समावेशी विकास के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी अनुभवात्मक सीख, ज्ञान सृजन और क्षमता निर्माण के माध्यम से विद्यार्थियों, पेशेवरों और विकास क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए शिक्षा, अनुसंधान और व्यवहार को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखती है। आईआईएम रायपुर एक अग्रणी सार्वजनिक प्रबंधन संस्थान है, जबकि टाटा स्टील फाउंडेशन, टाटा स्टील की सामाजिक विकास इकाई है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है। यह साझेदारी टाटा स्टील फाउंडेशन और आईआईएम रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर और उसके आदानङ्कप्रदान के साथ औपचारिक रूप से स्थापित हुई। इस अवसर पर डॉ. संजीव प्रशर, डायरेक्टरङ्कइनङ्कचार्ज; डॉ. सरोज पानी, डीन ङ्क अकादमिक्स; डॉ. नवनीत भटनागर, एरिया चेयर ङ्क स्ट्रैटेजी; एमएसआई टीम से डॉ. राहुल हिरेमथ, डॉ. सुनीता एस और डॉ. संदीप एस; टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरव रॉय तथा जन नीति और अनुसंधान के परामर्शदाता डॉ. विनायक किशोर उपस्थित थे। सहयोग के तहत, दोनों संस्थान संयुक्त रूप से पाठ्यक्रमों, इमर्सिव लर्निंग कार्यक्रमों और सामुदायिक सहभागिता पहलों का सह-निर्माण करेंगे। यह साझेदारी संयुक्त अनुसंधान, ज्ञान उत्पादों तथा ऐसे प्लेटफॉर्म पर भी केंद्रित होगी, जो आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाएँ।

संपादकीय

हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े

ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के खिलाफ जो तर्क दिया है, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए इस हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के आसपास सैन्य दबाव कई महीनों से बना रखा था, लेकिन तब कहा गया कि यह मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई के लिए है। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अपने देश की संसद के सामने कहा कि वेनेजुएला पर हमला करने या वहां 'शासन परिवर्तन' कराने का उसका कोई इरादा नहीं है। इस तरह तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर जो हमला किया, वह अमेरिका में बिना संसदीय मंजूरी के किया गया। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के अनेक सांसदों ने इसे अमेरिकी संविधान का उल्लंघन बताया है। इस हमले के जरिए वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी को उनके निवास से उठा लिया गया। उन्हें न्यूयॉर्क लाकर उन पर मुकदमा चलाने का एलान किया गया है, जबकि इस कार्रवाई को वहां के मेयर जोहरान ममदानी ने देश के संघीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। अंतरराष्ट्रीय कानून का सर्वोपरि सिद्धांत हर देश की संप्रभुता का सम्मान है, जिसका किसी देश को उल्लंघन नहीं करना चाहिए। किसी उच्छृंखल देश के खिलाफ भी संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी से बहुपक्षीय बल के जरिए ही वैध कार्रवाई की जा सकती है। मगर इस मामले में संयुक्त राष्ट्र तो दूर, ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के सहयोगी देशों की सहमति भी प्राप्त नहीं की। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए 'एकतरफा कार्रवाई' के अपने चलन को एक नए मुकाम पर ले गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य का ऐसा व्यवहार नियम आधारित विश्व व्यवस्था के लिए खुली चुनौती है। इससे दुनिया के हर हिस्से में हमलों की धमकी देने, कमजोर देश को डराने, और मनमाने ढंग से दूसरे देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करने की प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलने का अंदेशा है। ट्रंप प्रशासन ने जिस तर्क को आधार बनाकर वेनेजुएला पर कार्रवाई की, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि आगे चल कर कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए वेनेजुएला पर हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं और विश्व समुदाय के बहुत बड़े जनमत ने इसकी निंदा की है।

हर हिस्से में हवा और पानी के प्रदूषण की स्थिति

हरिशंकर व्यास

और भीड़ भेड़ बकरियों वाली हैसियत की है तो उसके साथ ट्रीटमेंट भी वैसा ही है। दो उदाहरण हैं। मध्य प्रदेश में देश के सबसे स्वच्छ शहर का कई बरसों से अवार्ड जीत रहे इंदौर में दूषित पानी पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हुई। साल का अंत और नए साल की शुरुआत इसी खबर से हुई है। पता नहीं चल पा रहा है कि पीने के पानी की सप्लाई में जहरीला पानी कहां से मिक्स हुआ। लेकिन खबर है कि दो महीने से लोग पानी के दूषित होने की शिकायत कर रहे थे। पानी से बदबू आ रही थी और लोगों की तबियत बिगड़ रही थी। अब खबर है कि पानी में एसिड और बैक्टीरिया की भारी मात्रा मिली है। लेकिन तय मानें कि इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं माना जाएगा। एकाध लोगों के तबादले होंगे और एकाध लोग निलंबित उसके बाद सब रफा दफा हो जाएगा। दूसरी खबर है कि राजधानी दिल्ली की, जहां पिछले ढाई महीने से हवा जहरीली बनी हुई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई चार सौ के आसपास है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री का दावा है कि पिछले आठ साल में सबसे कम कम पीएम 2.5 पिछले साल यानी 2025 में रहा। उनके हिसाब से एक क्यूबिक मीटर में पीएम 2.5 की मात्रा एक सौ के करीब है। सोचें, भारत सरकार का मानक प्रति क्यूबिक मीटर पीएम 2.5 की मात्रा 60 रखने का है और विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक 12 का है। लेकिन एक सौ होने को उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह पूरे साल का औसत आंकड़ा है। पिछले ढाई महीने का औसत आंकड़ा तीन सौ से ऊपर का है। यह सिर्फ दिल्ली की बात नहीं है देश के हर हिस्से में हवा और पानी के प्रदूषण की यही स्थिति है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में सात से आठ हमेशा भारत के होते हैं। सूची जितनी लंबी होती जाती है, भारत के शहरों की संख्या उतनी बढ़ती जाती है। ऐसा नहीं है कि भारत के उन शहरों में प्रदूषण है, जहां उद्योग लगे हैं। बिहार के ऐसे शहर, जहां दूर दूर तक कोई फैक्टरी नहीं है वहां भी एक्यूआई चार सौ से ऊपर है और इसका कारण सिर्फ इतना है कि चारों तरफ धूल मिट्टी फैली है और निर्माण कार्यों से होने वाला प्रदूषण धूल की चादर की तरह फैला हुआ है। किसी भी शहर में नगर निगम को सफाई से कोई लेना देना नहीं है। राजधानी दिल्ली में सैकड़ों टन कूड़ा रोज निकलता है, जिसका बड़ा हिस्सा सड़कों पर बिखरा रहता है। हर साल सर्दियों में कभी पटाखों पर तो कभी किसानों की पराली पर प्रदूषण का दोष मढ़ दिया जाता है। लेकिन अभी न तो पटाखे चल रहे हैं और न पराली जलाई जा रही है फिर भी एक्यूआई चार सौ के करीब है। ये दो प्रतिनिधि घटनाएं हैं, जो बताती हैं कि भारत में प्रकृति कम आपदा पैदा कर रही है और व्यवस्था ज्यादा आपदा पैदा कर रही है। जहरीला पानी व्यवस्था से उपजी आपदा है तो दिल्ली का प्रदूषण भी व्यवस्था की वजह से है। गाड़ियों के अंधाधुंध रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं। सड़क पर चलने की जगह नहीं है और न किसी के पास गाड़ी खड़ी करने की जगह है। लेकिन गाड़ियां निकल रही हैं और उनके धुएं से देश की हवा प्रदूषित हो रही है। सब्सिडी के बाद भी ईवी गाड़ियों की संख्या नहीं बढ़ रही है लेकिन जीएसटी में कटौती हुई तो पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की बेतहाशा बिक्री हुई। देश के अलग अलग हिस्सों में हर साल बारिश के साथ भूस्खलन और हिमस्खलन की घटनाएं हो रही हैं तो यह भी प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदा है। उत्तराखंड में टिहरी में पानी रोकने से बादल फटने की घटनाएं बढ़ी हैं तो पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण और जंगलों की कटाई ने पहाड़ों को कमजोर किया है। दशकों से नदियों की सफाई नहीं होने से सभी नदियों में गाद जमी है, जिसकी वजह से नदियों में बारिश का पानी नहीं रूकता है और बाढ़ आती है।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

उमेश चतुर्वेदी

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीज़ें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी ज़रूरत।

तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई।

कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया।

कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर। कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई। इस दौरान युद्धरत देशों, उनके नागरिकों, सैनिकों आदि के मानवीय अधिकारों की रक्षा करने को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं। इसके तहत कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की परिकल्पना की गई और युद्ध के प्रभाव को सीमित करने और युद्धबंदियों के अधिकारों के संरक्षण की कोशिश शुरू हुई। जेनेवा में आखिरी समझौता 1949 में हुआ। जिनेवा कन्वेंशन का मकसद युद्ध के वक्त मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिये कानून तैयार करना है। 1949 के समझौते में शामिल दो प्रोटोकॉल 1977 में जोड़े गए। आज तकरीबन पूरी दुनिया ने इस पर हस्ताक्षर किया है। इस लिहाज से जेनेवा समझौते को सभी देश मानते हैं। जेनेवा समझौते के अनुसार हर देश की अपनी संप्रभुता है और उसकी रक्षा ना सिर्फ युद्ध बल्कि शांति काल में भी होती है। यानी उसके नियम और कानून युद्ध, शांति और संकट काल, हर वक्त लागू होते हैं। इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। माना जा रहा है कि वे उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकते हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियो को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं।

अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। लेकिन एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का कहना कि वेनेजुएला में की गई कार्रवाई की जरूरत नहीं थी और इससे अमेरिका को लेकर संघर्ष बढ़ेगा, एक तरह से अमेरिका की बढ़ती चुनौतियों का ही संकेत देता है। ट्रंप की मनमानी नहीं रूकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे, अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

विकसित भारत युवा नेता संवाद: विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेज़ी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है।

भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके।

युवा मामले और खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज़ हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं: जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में %विकसित भारत युवा नेता संवाद% कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया।

विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं। कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचार परिष्कृत होंगे, न कि ोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छांट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है।

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विज़न केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है: ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं।

पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9ङ्क12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी प्रतिध्वनि वैश्विक है। 'भारत के लिए डिज़ाइन' और 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी' जैसी नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय भारतीय युवा प्रवासी की भागीदारी के साथ, संवादों का अब सीमाओं के पार तक प्रसार होता है। फिर भी, इसका मूल उद्देश्य अपरिवर्तित रहता है: युवाओं को साहसपूर्वक सोचने, निडरता से रचना करने और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना।

इस साल के आयोजन का पैमाना इस महत्वाकांक्षा की गहराई को रेखांकित करता है। विकसित भारत क्विज में 50 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो वीबीवाईएलडी 2026 के चयन का पहला चरण था। यह इसे अपने तरह के सबसे बड़े युवा सहभागिता कार्यक्रमों में से एक बनाता है। चार दिनों के दौरान, देश के हर कोने के प्रतिभागी व्यावहारिक अंतर्दृष्टियों, विचारों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्वों के साथ संवाद करेंगे, जो विषयों और भौगोलिक सीमाओं से परे जाते हैं।

वास्तव में वीबीवाईएलडी 2026 को अलग बनाने वाली चीज यह है कि यह हमारी युवा शक्ति को केवल बोलने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें सुने जाने का भी अवसर प्रदान करता है। यह मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और समाधानों को भारत के प्रधानमंत्री के सामने सीधे प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है। 12 जनवरी को, जिसे पूरे देश में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से भारत मंडपम में युवाओं के साथ संवाद करेंगे, उनसे सुनेंगे कि वे भविष्य की भारत की कल्पना कैसे करते हैं और किस रूप में उसे आकार देने का इरादा रखते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, देश को उन युवाओं की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है, जिनमें बड़े सपने देखने का साहस है और विचारों को सार्थक कार्य में बदलने का दृढ़ संकल्प है। संवाद के लिए एक मंच से कहीं अधिक, विकसित भारत युवा नेता संवाद एक अभियान है, जो भारतीय युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने, राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के साथ अपनी आकांक्षाओं को जोड़ने का आह्वान करता है।

विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के द्वारा किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास और सेवा करने की प्रतिबद्धता है। भारत के युवा तैयार हैं। राष्ट्र को उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं)

घर में कंप्यूटर या लैपटॉप सही दिशा में रखें

कंप्यूटर या लैपटॉप आज के समय में सभी की जरुरत बन गई है। ऑफिस वर्क से लेकर पढ़ाई तक सारे काम लैपटॉप से होता है। ऐसे में इन्हें लोग घर में व्यवस्थित रखते हैं। वास्तु के मुताबिक यदि घर में कंप्यूटर या लैपटॉप है, तो उसे उचित दिशा में रखना बेहद शुभ होता है। क्योंकि वास्तु की मानें, तो यदि घर में कंप्यूटर या लैपटॉप सही दिशा में ना रखा हो, तो यह करियर या नौकरी की तरक्की में बाधा बन सकता है। चलिए जानते हैं कि इन्हें घर में कहां रखना चाहिए और कहां नहीं?

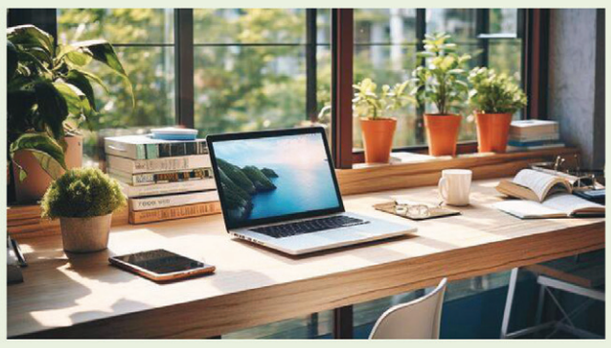

घर में कंप्यूटर का सही दिशा में होना सबसे आवश्यक है, क्योंकि इससे घर में चल रही नकारात्मकता खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा का उदय होता है। वास्तु के मुताबिक लैपटॉप या कंप्यूटर को दक्षिण और पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, क्योंकि यह सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है। वहीं, जब व्यक्ति कंप्यूटर पर काम कर रहा होता है तब उसका मुंह थोड़ा दाई तरफ होना चाहिए। इसके अलावा कंप्यूटर वाली जगह फूल और शोपीस भी रखा जा सकता है। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है।

क्योंकि इस दिशा को ज्ञान और बुद्धिमत्ता से जोड़ा जाता है। अगर कंप्यूटर या स्टडी टेबल इस दिशा में रखी जाए, तो सीखने की

लैपटॉप रखने की सबसे सही दिशा

क्षमता बढ़ती है और साथ ही फोकस भी बढ़ता है। इसलिए कंप्यूटर और लैपटॉप को उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कंप्यूटर और लैपटॉप को कभी भी उत्तर दिशा में नहीं रखना चाहिए। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है, जो धन और समृद्धि के देवता हैं। इस दिशा में कंप्यूटर या लैपटॉप रखने से राहु की दशा खराब हो सकती है, जिससे आपको आर्थिक नुकसान हो सकता है। इसे भूलकर भी पूर्व-पश्चिम दिशा में कंप्यूटर नहीं लगाना चाहिए।

पिंपल्स और चिपचिपाहट से राहत

सर्दियों के लिए बेस्ट DIY फेशियल

सर्दियों का मौसम आमतौर पर रुखी त्वचा से जोड़ा जाता है, लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए यह समय भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं होता। ठंड में स्किन का नेचुरल बैलेंस बिगड़ जाता है जिससे चेहरे पर चिपचिपाहट, बंद पोर्स और पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में भारी क्रीम या केमिकल-युक्त फेशियल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, सर्दियों में ऑयली स्किन को कंट्रोल और पोषण देने के लिए हल्का, नेचुरल और DIY फेशियल सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। घर पर उपलब्ध सामग्री से किया गया सही फेशियल ना सिर्फ एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करता है, बल्कि त्वचा को हेल्दी ग्लो भी देता है।

स्टेप 1: क्लींजिंग
DIY फेशियल की शुरुआत सही क्लींजिंग से होती है। बेसन, गुलाब जल और नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। यह मिश्रण स्किन से गंदगी हटाने के साथ एक्स्ट्रा ऑयल को भी कंट्रोल करता है।

स्टेप 2: स्टीम
5–7 मिनट की हल्की स्टीम लेने से पोर्स खुलते हैं और स्किन अंदर से साफ होती है। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स आसानी से निकल जाते हैं।

स्टेप 3: स्क्रबिंग
ओट्स पाउडर और दही से बना स्क्रब सर्दियों में ऑयली स्किन के लिए आदर्श माना जाता है। यह डेड स्किन हटाता है लेकिन स्किन को ड्राई नहीं करता।

स्टेप 4: फेस पैक
मुल्तानी मिट्टी, एलोवेरा जेल और गुलाब जल से बना फेस पैक चेहरे पर 10–12 मिनट तक लगाएं। यह ऑयल कंट्रोल करता है, पोर्स को टाइट करता है और स्किन को ठंडक देता है।

स्टेप 5: टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग
रोज वॉटर या ग्रीन टी से टोनिंग करें और अंत में ऑयल-फ्री जेल मॉइस्चराइजर लगाएं। यह स्किन को हाइड्रेट रखता है और चिपचिपाहट से बचाता है।

रात में सोने से पहले कौन सी एक्सरसाइज करें

अच्छी नींद, फिट बॉडी और एक्टिव मांइड के लिए आजकल फिजिकल एक्टिविटीज पर खास ध्यान देने के लिए जोर दिया जा रहा है। हर फिटनेस ट्रेनर, न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि आपकी फिजिकल एक्टिविटीज ही आपके स्वास्थ्य की कुंजी है। भले ही आप वर्कआउट न करते हो अगर सिर्फ आधे घंटे टहलते भी हैं, तो भी आप फिट रह सकते हैं और आपको रात में अच्छी नींद भी आएगी। कई लोगों की आदत होती है, रात के खाने के बाद टहलना और फिर सोना। लेकिन कुछ लोग टहलने के बजाय जॉगिंग (दौड़ना) पसंद करते हैं। इस बारे में बेंगलुरु के एस्टर अस्पताल की डॉक्टर एडविना राज ने बताया कि रात को सोने से पहले कौन सी एक्सरसाइज ज्यादा हेल्दी मानी जाती है-

टहलना या दौड़ना

रनिंग या वॉकिंग क्या है बेहतर
डॉक्टर के मुताबिक, रनिंग सुबह करने से फायदे मिलते हैं। उस वक्त आपका शरीर आराम वाली अवस्था से बाहर आ रहा होता है। ऐसे में दौड़ने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन नॉर्मल होने लगता है और फुर्ती आ जाती है। रात में खाने के बाद दौड़ना कोई फायदा नहीं करेगा, बल्कि इससे पेट दर्द की समस्या हो सकती है। रनिंग के दौरान पेट खाली होना चाहिए भरा नहीं।

वॉकिंग क्यों है जरूरी

रात के खाने के बाद वॉक करना सबसे ज्यादा अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। वैसे तो आप सुबह या रात कभी भी टहल सकते हैं, इसके फायदे ही हैं, लेकिन खाने के बाद टहलने से खाना आसानी से पच जाता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है। रात में टहलना शरीर को शांत और आरामदायक स्थिति में लाने में हेल्प करता है, इससे आपको अच्छी नींद आएगी।

इसके अन्य भी फायदे हैं

1- रात में टहलने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

2- वजन भी नियंत्रित रहता है। जो लोग वेट लॉस कर रहे हैं, उन्हें भी नाइट वॉक करनी चाहिए।

3- नाइट वॉकिंग को स्ट्रेस बूस्टर भी माना जाता है। आपकी दिनभर की थकान दूर होती है।

4- इससे दिल का स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल होता है और हार्ट अटैक का खतरा कम।

5- रात में टहलने से हड्डियों-मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इससे जोड़ों का दर्द कम होता है।

कैसे और कितनी टहलें

खाना खाने के 20 मिनट बाद टहलना शुरू करें और करीब आधे घंटे तक टहलें। खाना थोड़ा जल्दी खाने की आदत डालें और फिर टहलकर सोने के लिए जाएं। इससे आप तनावमुक्त होकर अच्छी नींद ले सकेंगे। इस आदत को रोजाना करने से फायदे मिलेंगे।

एनर्जी से लेकर ब्लोटिंग के लिए कौन से फल खाना है ज्यादा फायदेमंद

जानें शरीर को कब कौन से फल खाने की है जरूरत

फल खाना हेल्दी ऑप्शन है। फल ना केवल शरीर को जरूरी न्यूट्रिशन देते है,बल्कि वेट लॉस में भी मदद करते हैं क्योंकि फलों में कैलोरी की मात्रा सबसे कम होती है। ये फल कई सारी बीमारियों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

कब्ज दूर करने के लिए तो कई सारे फलों को खाने की सलाह मिली होगी। लेकिन केवल कब्ज ही नहीं बल्कि शरीर की 6 समस्याओं में अलग-अलग फलों को खाने से फायदा होता है। न्यूट्रिशनिस्ट ने ऐसे 6 फलों को अलग-अलग बीमारियों में खाने की सलाह दी है।

चीकू :- चीकू की मिठास काफी सारे लोगों को पसंद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसमे टैनिन्स की मात्रा हाई होती है और ये नेचुरल एंटी इंफ्लामेटरी का काम करता है। जो स्टमक लाइनिंग की इंफ्लेमेशन को दूर करता है। एसिड को कम करता है और डाइजेशन के प्रोसेस को बढ़ाता है। इसलिए चीकू को एसिडिटी और डाइजेशन बढ़ाने के लिए खाना फायेदमंद होता है।

संतरा :- संतरा इम्यूनिटी बढ़ाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। विटामिन सी से भरपूर होने की वजह से ये कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाता है। वहीं ब्लड में व्हाइट ब्लड सेल्स को बूस्ट करता है। जिससे इम्यूनिटी बढ़ती है।

रामफल या पर्सिमन :- रामफल या पर्सिमन में सॉल्यूएबल फाइबर होता है यानी कि पेक्टिन, जो स्टूल को बल्क में इकट्ठा करके कब्ज दूर करने में मदद करता है। रामफल पेट में नेचुरल लेक्सेटिव का काम करता है। तो अगर कब्ज की समस्या रहती है तो रामफल खाएं।

सीताफल या शरीफा :- सीताफल या कस्टर्ड एप्पल के बारे में जरूर सुना होगा। ये फल मैग्नीशियम, पोटैशियम से भरपूर होता है। जो गट हेल्थ को इंप्रूव करता है। तो अगर आपके गट में इश्यू है तो सीताफल को खाना शुरू कर दें।

आंवला :- आंवला इम्यूनिटी बढ़ाने और विटामिन सी रिच होने की वजह से बालों और स्किन के लिए फायदेमंद होता है। साथ ही ब्लड को प्यूरीफाई करने, लिवर फंक्शन को स्मूद बनाने और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम करता है। तो अगर आपको अपनी ओवरऑल हेल्थ को इंप्रूव करना है तो रोज एक आंवला खाएं।

नाक छिदवाने के बाद तुरंत अपनाएं ये घरेलू तरीके

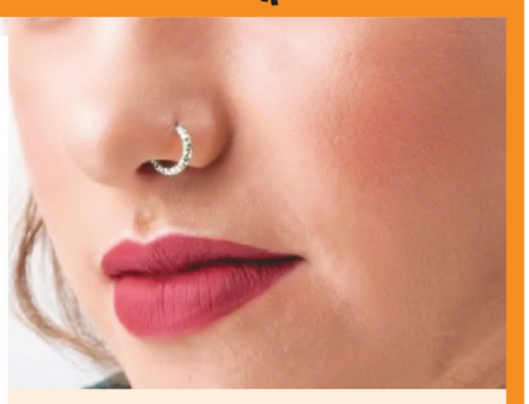

लड़कियों के नाक-कान छिदवाने की परंपरा काफी पुरानी हो चुकी है। आजकल लड़कियां शौक में भी नाक-कान छिदवा लेती हैं और ये ट्रेंड में आ चुका है। लेकिन नाक-कान छिदवाने के बाद अगर सही केयर न की जाए, तो इनमें इंफेक्शन का खतरा या पकने का डर रहता है। साथ ही दर्द भी काफी ज्यादा होता है, जो कई बार बर्दाश्त के बाहर भी हो जाता है। अगर आप नाक छिदवा रही हैं, तो उसकी केयर करने के कुछ घरेलू तरीके जरूर जान लीजिए। इन तरीकों से आपकी नाक में दर्द नहीं होगा और ना ही इंफेक्शन का कोई खतरा होगा। चलिए बताते हैं इन तरीकों के बारे में।

1- ओस की बूंद

बचपन में मैंने जब अपनी नाक छिदवाई थी, तब मेरी नानी मेरी नाक पर सुबह की ओस की बूंद रख देती थी। इससे नाक को ठंडक पहुंचती थी और मेरी नाक पकी भी नहीं। आजकल सर्दियों में नाक छिदवा रही हैं, तो सुबह ओस की बूंद कही भी घास पर आसानी से मिल जाएगी। इस बूंद को उंगली में लेकर लगाएं या फिर कॉटन में लेकर लगाएं।

2- सरसों का तेल

नाक छिदवाने के 2-3 दिन बाद सरसों का तेल लगाना शुरू करें। इससे नाक का छेद बंद नहीं होगा और पपड़ी भी नहीं जमेगी। कई बार नाक पकने पर पस या पपड़ी बन जाती है, सरसों के तेल से ऐसा नहीं होगा और नाक का दर्द भी कम होगा।

3- गर्म पानी

नाक छिदवाने के बाद उसकी साफ-सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। वरना वो तुरंत पक सकती है और दर्द भी काफी ज्यादा होगा। इसके लिए आपको गर्म पानी करना है, रुई में पानी लगाकर हल्के हाथों से सिकाई करें। ऐसा करने से नाक साफ होगी और इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है।

नाक छिदने के बाद क्या पहनें

नाक छिदवाने के बाद आप चांदी-सोने की तार वाली बाली पहनें या फिर नीम की डंडी पहन लें। नीम की डंडी से पकने का खतरा नहीं होगा और नाक का छेद आसानी से सेट हो जाएगा। बाद में आप इसे अपने हाथ से बदल सकते हैं। नाक छिदवाने के बाद किसी भी तरह की दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाएं और अच्छी जगह से ही पियर्सिंग कराएं।

सरसों का तेल सर्दियों में स्किन केयर के लिए इस्तेमाल

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा और कम नमी की वजह से त्वचा रुखी, खिंची हुई और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में लोग केमिकल-फ्री और घरेलू उपायों की तलाश करते हैं। भारत में पारंपरिक रूप से इस्तेमाल होने वाला सरसों का तेल सर्दियों में स्किन केयर के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सरसों का तेल हर तरह की त्वचा के लिए सुरक्षित है? सरसों के तेल में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड, विटामिन E और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये तत्व त्वचा की नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं और स्किन बैरियर को मजबूत करते हैं। सर्दियों में शरीर पर सरसों के तेल से मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जिससे त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है और ड्रायनेस कम होती है। यही वजह है कि पुराने समय से ठंड के मौसम में बच्चों और बड़ों की तेल मालिश की जाती रही है।

क्या है सही तरीका?

नहाने से पहले या रात में हल्का गुनगुना करके बॉडी मसाज करें। चेहरे के लिए: 2–3 बूंदें किसी हल्के तेल (नारियल/बादाम) के साथ मिलाकर लगाएं।

बहुत ज्यादा मात्रा में ना लगाएं- थोड़ा ही काफी है। डर्मेटोलॉजिस्ट्स के अनुसार, सरसों का तेल चेहरे की बजाय शरीर की त्वचा के लिए ज्यादा उपयुक्त माना जाता है। घुटनों, कोहनियों, एड़ियों और हाथों जैसी बहुत ज्यादा रूखी जगहों पर इसका इस्तेमाल फायदेमंद हो सकता है। अगर चेहरे पर लगाना हो तो पहली बार सरसों का तेल इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी तरह की एलर्जी या रिएक्शन से बचा जा सके।

हालांकि, स्किन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सरसों का तेल एक मजबूत और हीटिंग ऑयल होता है। इसकी तासीर गर्म होती है जिससे यह कुछ लोगों की त्वचा पर जलन, रेडनेस या रैशेज पैदा कर सकता है। खासतौर पर सेंसिटिव या एक्ने-प्रोन स्किन वालों को इसे सीधे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। कुछ मामलों में यह पोर्स को ब्लॉक कर सकता है जिससे पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है।

सर्दी में बच्चों का निमोनिया क्यों बनता है खतरनाक?

निमोनिया एक खतरनाक बीमारी है जिसके केस बच्चों में ज्यादा आते हैं। निमोनिया का खतरा सर्दियों के मौसम में बढ़ जाता है। इस मौसम में निमोनिया करने वाला बैक्टीरिया एक्टिव रहता है। जो बच्चों को शिकार बना सकता है। इस बीमारी के मामले में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि इसके लक्षणों का आसानी से पता नहीं चल पाता है। कई मामलों में इसकी शुरुआत खांसी, जुकाम जैसी होती है, जिसको नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे में आपको जानना जरूरी है कि बच्चे में कौन से लक्षण निमोनिया का संकेत हो सकते हैं।

निमोनिया के शुरुआती लक्षण खांसी-जुकाम जैसे ही होते हैं, लेकिन धीरे- धीरे अन्य लक्षण सामने आते हैं। जैसे अगर बच्चे को खांसी- जुकाम के साथ सांस लेने में हल्की भी परेशानी हो रही है तो ये निमोनिया का लक्षण हो सकता है। ऐसी किसी भी स्थिति में माता- पिता के लिए जरूरी है कि वो बच्चे को लेकर अस्पताल जाएं और सही इलाज कराएं।

निमोनिया में जरूर दिखते हैं ये लक्षण

निमोनिया होने के बाद खांसी के साथ बलगम भी आता है। खांसी के साथ पीला या हरा बलगम आना भी खतरे की घंटी हो सकता है। इसके अलावा बच्चे की सांस तेज चलना, खांसी के समय सीने में दर्द, सोते समय नाक से सीटी जैसी आवाज आना भी गंभीर संकेत हो सकता है। अगर ये लक्षण दिख रहे हैं और बच्चा दूध भी नहीं पी रहा है तो ये निमोनिया ही हो सकता है। सर्दी के मौसम में निमोनिया के केस आते हैं। कई मामलों में लक्षण गंभीर होने के बाद ही माता- पिता अस्पताल आते हैं, ऐसे में बच्चे की जान को जोखिम भी हो सकता है। इसलिए ये जरूरी है कि आप निमोनिया के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। खांसी- जुकाम में ये ध्यान रखें कि अगर ये 3 दिन में खत्म या कम नहीं हो रहा है तो एक बार अपने बच्चे को डॉक्टर से जरूर दिखा लें। इस मौसम में बच्चों को वैक्सीन लगवा लें। न्यूमोकोकल और फ्लू वैक्सीन बच्चों को गंभीर संक्रमण से बचाने में मदद करती हैं। बच्चों को भीड़ वाले इलाकों में लेकर जानें से बचें। कोशिश करें कि वह हाथ धोकर भोजन करें। बच्चों में खांसी- जुकाम हो तो डॉक्टर से मिलें।

सर्दी में बच्चों का निमोनिया क्यों बनता है खतरनाक?

खबर-खास

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत धार्मिक स्थलों व विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा(समय दर्शन)। जिला बेमेतरा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज 15 जनवरी 2026 को व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। यह कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव एवं परियोजना समन्वयक (चाइल्ड हेल्पलाइन) श्री राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत स्थित श्री शमी गणेश मंदिर एवं गुरुद्वारा के ट्रस्टी/प्रबंधक/अध्यक्ष एवं पुजारियों से भेंट कर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान उनसे आग्रह किया गया कि किसी भी विवाह से पूर्व बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं बालक की 21 वर्ष सुनिश्चित करते हुए अनिवार्य रूप से आयु सत्यापन किया जाए। आयु सत्यापन के लिए आधार कार्ड को मान्य न मानते हुए केवल अंकसूची अथवा जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर ही विवाह संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि यह अभियान 1 जनवरी से 31 जनवरी तक जिले के समस्त धार्मिक स्थलों—मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च, मस्जिद, ट्रस्ट—तथा विवाह से जुड़े विभिन्न सेवा प्रदाताओं जैसे धर्मगुरु, टेंट, डीजे, रसोइया आदि के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर जन समुदाय को जागरूक करने हेतु संचालित किया जा रहा है।

भीषण जल संकट को देखते हुए बेमेतरा में पंपजल संरक्षण अभियान, उड़नदस्ता टीम गठित

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के आदेशानुसार जिले में वर्ष 2025-26 में अपेक्षाकृत कम वर्षा के कारण उत्पन्न जल संकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन पंपजल संरक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 01 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगा। आदेश में उल्लेख है कि भू-जल स्तर में अत्यधिक गिरावट को देखते हुए आगामी ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट की रोकथाम हेतु यह निर्णय लिया गया है। अभियान के अंतर्गत ग्रीष्मकाल में धान की खेती एवं नवीन नलकूप खनन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, पंपजल के दुरुपयोग, अवैध दोहन तथा प्रतिबंधों के उल्लंघन पर छत्तीसगढ़ पेयजल संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभियान की प्रभावी निगरानी एवं क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। यह दल जिलेभर में निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करेगा। जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल के सदस्य मे श्री जे.पी. गोंड, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बेमेतरा, श्री सी.एल. शिवहरे, कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग, बेमेतरा, श्री एम.डी. डडसेना, उप संचालक, कृषि विभाग, बेमेतरा, श्री जे.एस. भगतवार, कार्यपालन अभियंता, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी, बेमेतरा शामिल है, इनके अलावा सभी ब्लॉक स्तरीय सदस्यों को भी शामिल किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है, कि पेयजल संरक्षण जिले की सर्वोच्च प्राथमिकता है और नियमों के उल्लंघन पर किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं बरती जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

कृषि महाविद्यालय बेमेतरा में देशभक्ति के वातावरण में सामूहिक 'वंदे मातरम' गायन संपन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया, बेमेतरा (छत्तीसगढ़) के प्रांगण में 15 जनवरी 2026 को सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम गरिमामय एवं राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं, प्राध्यापकगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी उपस्थित जनों द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम के सस्वर गायन के साथ किया गया, जिससे संपूर्ण परिसर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. संदीप भंडारकर ने अपने संबोधन में 'वंदे मातरम्' की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रचना एवं राष्ट्रीय महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और बलिदान की भावना का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में चेतना और उत्साह का संचार किया।

सरस्वती शिशु मंदिर के वार्षिकोत्सव में उमड़ा उत्साह, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मेधावियों को सराहा

बसना (समय दर्शन)। बसना के स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में वार्षिक उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं जनप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल बतौर अतिथि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस दौरान सांसद रुपकुमारी चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि,आज के भौतिकवादी युग में भी सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के साथ संस्कार को भी जीवंत बनाए हुए। सरस्वती शिशु मंदिर संस्थान के सभी रचनात्मक गतिविधियों से देश प्रदेश में अपना अलग स्थान है। शिशु मंदिर ऐसे ही कार्य करती रही तो,निश्चित ही हम

व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को जल्दी साकार कर पायेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि संस्कारों की वह पाठशाला है जहाँ बच्चों के भविष्य के साथ-साथ उनके चरित्र का निर्माण होता है। यहाँ से निकले विद्यार्थी देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। देशभक्ति गीतों, लोक नृत्यों और सामाजिक संदेश देने वाले नाटकों के माध्यम से बच्चों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बच्चों की प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

चुहका स्कूल में हुआ न्योता भोज का आयोजन

साजा (समय दर्शन)। बुधवार को शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला चुहका में मकर संक्रांति पर्व पर समस्त शिक्षको के सहयोग से न्योता भोज का आयोजन किया गया। न्योता भोज में चावल, दाल,सब्जी,खीर-पूड़ी, पापड़,तिल का लडडू बांटी गई । इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष उषा यादव, सदस्य पीला राम पटेल, दारा सिंह पटेल, भागीरथी पटेल, सोहागा बाई, पंच खोमलाल पटेल, रामजी पटेल, परस पटेल,पालक गण व संकुल समन्वयक पीलू राम साहू, प्रधान पाठक कन्हैया लहरे, विकास चौबे, अय्यूब खान, लोकेश साहू, खेमलाल पटेल, तीजराम ठाकुर,संजय सरकार,हेमलाल साहू व स्कूल के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे । इस अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चुहका प्रधान पाठिका मंजुलता ध्रुवे, प्राथमिक प्रधान पाठक रिखीराम यादव , शिक्षक दीपक कुमार राजपूत,अलमुदास महिलांगे,प्रकाश साहू, किशन लाल ठाकुर उपस्थित रहे। रसोइयां गीता बाई पटेल, प्रतिमा पटेल का न्योता भोज में विशेष योगदान रहा।

राजनांदगांव में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की गूंज, मशाल गौरव यात्रा का भव्य स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में पहली बार होने जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को सौंपी है। प्रतियोगिता रायपुर और जगदलपुर में आयोजित होगी। इसके प्रचार-प्रसार के लिए मशाल गौरव यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में भ्रमण कर रही है।

इसी क्रम में बुधवार को विशाल मशाल यात्रा राजनांदगांव पहुंची। दिग्विजय स्टेडियम परिसर में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने हरी झंडी दिखाकर मशाल रथ को रवाना किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, पूर्व अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास संतोष अग्रवाल एवं रमेश पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी, सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ए. एक्का, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल, क्रीड़ा अधिकारी अनिल गौतम, दिग्विजय स्टेडियम प्रबंधक देवेंद्र ठाकुर, गणेश प्रसाद शर्मा, खेलो इंडिया कोच शकील अहमद तथा साईं सेंटर के कोच परमजीत सिंह, कृष्णा यादव सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन के शुभंकर 'मोरवीर' का पुष्पमाला और बुके देकर स्वागत किया गया। इसके बाद मशाल यात्रा शहर के प्रमुख स्थलों और स्कूलों में पहुंची। वी स्कूल और चिखली स्कूल में विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छोटे हॉकी खिलाड़ियों को ट्राइबल गेम्स में मिलने वाले प्रशिक्षण, सुविधाओं और खेलों की गुणवत्ता के बारे में बताया गया।

अभियान के दौरान खेल विशेषज्ञों ने बच्चों को प्रतिभा चयन की प्रक्रिया भी समझाई। अधिकारियों ने बताया कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचलों में रहने वाले जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण देना और राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना है। मशाल यात्रा के माध्यम से युवाओं और खिलाड़ियों को खेलों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र में संयुक्त जांच, सुरक्षा व श्रम कानूनों की अनदेखी पर कंपनियों को नोटिस

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों की सघन जांच की गई। इस कार्रवाई के तहत जिला स्तरीय संयुक्त निरीक्षण दल ने श्रमिक सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और श्रम कानूनों के पालन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

न्यूट्रीक्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में खामियां उजागर

निरीक्षण के दौरान मेसर्स न्यूट्रीक्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बिरकोनी की जांच की गई।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की जांच में कोई वित्तीय या औद्योगिक अनियमितता नहीं पाई गई। वहीं औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने पाया कि श्रमिकों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए,अग्नि सुरक्षा संसाधनों का अभाव था और सुरक्षा सूचना बोर्ड भी प्रदर्शित नहीं थे।

इन गंभीर लापरवाहियों को देखते हुए प्रबंधन को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। श्रम कानूनों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई श्रम विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण अधिनियमों के तहत जांच की गई, जिनमें शामिल हैं।

संविदा श्रमिक अधिनियम 1970न्यूनतम वेतन अधिनियम,1948 समान पारिश्रमिक अधिनियम,1976, वेतन भुगतान अधिनियम, 1936 महिला सुरक्षा कानून का उल्लंघन। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 के अंतर्गत आंतरिक परिवाद समिति का गठन नहीं किया गया था। इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर ही समिति का गठन कराया गया।

इसके अलावा ओवरटाइम कराया गया, लेकिन उसका कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था। सूचना बोर्ड एवं आवश्यक रजिस्टर भी प्रदर्शित नहीं थे। इन सभी बिंदुओं पर प्रबंधन और संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया जा रहा है।

जमा इंडस्ट्रीज प्रा.लि. में भी मिली लापरवाही

संयुक्त टीम ने मेसर्स जमा इंडस्ट्रीज प्रा.लि., बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें,स्वास्थ्य गिफ्ट बास्केट, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने यहां भी श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराने की पुष्टि की।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की जांच में कोई औद्योगिक अनियमितता नहीं मिली।

बाल श्रम कानून की अनदेखी
श्रम विभाग की जांच में:

बाल श्रम निषेध बोर्ड प्रदर्शित नहीं पाया गया

ओवरटाइम कार्य का रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया, इन उल्लंघनों को लेकर संबंधित प्रबंधन और ठेकेदार के विरुद्ध नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन का सख्त संदेश

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रमिकों की सुरक्षा, महिला सम्मान और श्रम कानूनों का पालन अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी करने वाली औद्योगिक इकाइयों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। संयुक्त निरीक्षण टीम में अधिकारीगण शामिल रहे।

इस निरीक्षण अभियान में विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें,स्वास्थ्य गिफ्ट बास्केट प्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र शशिकांत सिंह, सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दिशा शुक्ला. श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र, श्रम उप निरीक्षक बेलारसन बघेल सहित श्रम विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित आवासों को गति देने हो रहा आवास चौपाल का आयोजन

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम धपई में हितग्राहियों से किया सीधा संवाद

मुंगेली(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत अप्रारंभ एवं प्रगतिरत लंबित आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिले में व्यापक स्तर पर आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्डों की सर्वाधिक अपूर्ण आवास वाली ग्राम पंचायतों में दिनांक 09 फरवरी तक प्रतिदिन आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम धपई में आयोजित आवास चौपाल में हितग्राहियों से सीधे संवाद किया। आवास चौपाल के दौरान नवीन स्वीकृत आवासों के अप्रारंभ कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने तथा निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। हितग्राहियों ने अपनी समस्याएँ सीधे जिला पंचायत सीईओ के समक्ष रखीं, जिन पर त्वरित समाधान की कार्यवाही की गई। साथ ही सभी हितग्राहियों को 31 मार्च 2026 तक लंबित समस्त आवासों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित संबंधित नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं आवास योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

बता दें कि आवास चौपाल के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए जिला एवं जनपद पंचायत स्तर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनके माध्यम से ग्राम पंचायतों में हितग्राहियों को एकत्रित कर आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की जा रही है तथा समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु आवश्यक समझाइश दी जा रही है। साथ ही हितग्राहियों की मैदानी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। चौपाल में राजमिस्त्री, महिला स्व-सहायता समूह की दीदियाँ एवं आवश्यक निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने वाले स्थानीय वेंडरों की उपस्थिति से हितग्राहियों को सेंटरिंग प्लेट की उपलब्धता, निर्माण सामग्री की सुगमता तथा कुशल श्रमिकों की व्यवस्था जैसे विषयों पर त्वरित सहायता मिल रही है, जिससे आवास निर्माण में आ रही बाधाओं का समाधान हो रहा है।

बागबाहरा मंडी सचिव निलंबित, अवैध धान परिवहन मामले में कार्रवाई

कलेक्टर के प्रतिवेदन पर मंडी बोर्ड ने किया निलंबित

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुद छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड ने बागबाहरा कृषि उपज मंडी समिति के सचिव कुशल राम ध्रुव को गंभीर लापरवाही एवं कर्तव्य में उदासीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार विपणन वर्ष 2025-26 में 28 दिसंबर 2025 को ग्राम टेमरी निवासी कृषक राधेश्याम साहू के घर के पास ओडिशा राज्य से अवैध रूप से धान ट्रक से लाकर खाली किया जा रहा था। इस दौरान 03 ट्रैक्टर में धान पलटा गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बागबाहरा के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार मंडी प्रशासन द्वारा नियमानुसार आवश्यक पंचनामा, जप्ती एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई एवं मंडी के सुपूर्द नहीं किया गया।

कलेक्टर खाद्य शाखा के प्रतिवेदन के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड द्वारा यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में श्री ध्रुव का मुख्यालय छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड, संभागीय कार्यालय रायपुर रहेगा। इस दौरान वे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते के पात्र होंगे।

वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वरी प्रसाद यादव की संस्कृत कृति स्तोत्रावली का विमोचन संपन्न

स्तोत्रावली में 26 हिंदू देवी-देवताओं के स्तोत्र भिन्न-भिन्न छंदों में संकलित

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वरी प्रसाद यादव की नवीन संस्कृत कृति स्तोत्रावली का विमोचन 11 जनवरी को शाम 4 बजे जांजगीर जिला मुख्यालय स्थित शील साहित्य परिषद में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ ,यह पुस्तक संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट योगदान मानी जा रही है. पुस्तक स्तोत्रावली में 26 हिंदू देवी-देवताओं के स्तोत्रों को भिन्न-भिन्न छंदों में संकलित किया गया है, संस्कृत में सर्वाधिक प्रचलित छंदों में रचित इन स्तोत्रों को गेय, वाचनीय एवं ग्रहणीय बनाने का सशक्त प्रयास किया गया है, यह कृति गायत्री स्तुति से प्रारंभ होकर श्री राधा स्तुति के साथ शिखरिणी छंद में समाप्त होती है, पुस्तक में कुल 17 देवी-देवताओं की स्तुति के साथ भारत माता वंदना भी सम्मिलित है, जो इसे आध्यात्मिक एवं राष्ट्रभाव से परिपूर्ण बनाती है। विमोचन समारोह का आयोजन नरेंद्र श्रीवास्तव सभागार, शील साहित्य परिषद जांजगीर में किया गया, जहां स्वामी अग्निशिखा महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, उन्होंने अपने उद्बोधन में इस कृति के लिए साहित्यकार को बधाई देते हुए कहा कि जब लोग संस्कृत भाषा में लिखना छोड़ चुके है ऐसे समय में संस्कृत भाषा में रचना निश्चित रूप से संस्कृत के प्रति अगाध प्रेम को प्रकट करता है। कार्यक्रम में बलदाऊ प्रसाद पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य जांजगीर एवं महेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार रायपुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई, समारोह की अध्यक्षता विजय कुमार दुबे, अध्यक्ष शील साहित्य परिषद ने की, इस अवसर पर शील साहित्य परिषद के सचिव विजय राठौर,साहित्यकार, लेखक के परिजन, साहित्य प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन का दायित्व साहित्यकार दयानंद गोपाल द्वारा निभाया गया। गौरतलब है कि वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वरी प्रसाद यादव इससे पूर्व भी हिंदी भाषा में कई महत्वपूर्ण पुस्तकों की रचना कर चुके हैं, उनकी यह नवीन संस्कृत कृति स्तोत्रावली साहित्य जगत में, विशेषकर संस्कृत भाषा के क्षेत्र में, एक अतुलनीय और स्मरणीय रचना के रूप में देखी जा रही है।

औद्योगिक सुरक्षा उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई

रायगढ़। रायगढ़ जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों में श्रमिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा औद्योगिक दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। इसी क्रम में जिले की औद्योगिक इकाइयों में घटित दुर्घटनाओं के बाद निरीक्षण के दौरान पाई गई गंभीर अनियमितताओं एवं श्रमिक सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर कार्यालय उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, रायगढ़ द्वारा कारखाना अधिनियम, 1948, छत्तीसगढ़ कारखाना नियमावली, 1962 तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 एवं नियम 2008 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की गई।

खबर-खास

तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव की जयंती मनाई जाएगी, 18 को होगा आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज के तत्वावधान में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 18/01/2026 दिन रविवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें सुबह 11 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी दोपहर 2 बजे से अतिथि आगमन होगा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मान रूपनारायण सिन्हा जी अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, अध्यक्षता सुरेश सिन्हा जिलाध्यक्ष कलार समाज, संरक्षक भुनेश्वर प्रसाद सिन्हा,तोरन लाल सिन्हा महामंत्री कलार समाज दुर्ग,बिसहत सिन्हा जिला कोषाध्यक्ष,रिखीराम सिन्हा मण्डलेश्वर पाटन, चोवाराम सिन्हा संरक्षक,सुरेश कुमार सिन्हा सचिव,शैलैन्द्र सिन्हा कोषाध्यक्ष, तेजराम सिन्हा क्षेत्राधिकारी,जनपद सदस्य भावना निषाद,चन्द्रिका साहू सरपंच तरीघाट,प्रकाश गिर गोस्वामी उपसरपंच तरीघाट शामिल होंगे। आयोजक ग्राम प्रमुख जयराम सिन्हा,गैदलाल सिन्हा स्थानीय अध्यक्ष, एवं समस्त कलार समाज तरीघाट होंगे यह जानकारी उपाध्यक्ष चेला राम सिन्हा ने दिया।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी में कार्यरत रोवर-रेंजरों एवं लीडर्स को मोमेंटो एवं ट्रैक सूट प्रदान कर किया गया सम्मानित

बालोद (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बालोद द्वारा दुधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रोवर-रेंजरों एवं लीडरों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जंबूरी के दौरान विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले रोवर-रेंजरों एवं लीडरों को राज्य मुख्यालय द्वारा मोमेंटो एवं ट्रैक सूट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव जितेन्द्र साहू, राज्य आयुक्त (रोवर) अशोक देशमुख, राज्य संगठन आयुक्त अमित कुमार क्षत्रिय, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनम साहू तथा जिला मुख्य आयुक्त राकेश यादव के आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा ने अपने संबोधन में कहा कि रोवर-रेंजरों एवं लीडरों ने पूर्ण समर्पण, अनुशासन और एकजुटता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन अत्यंत सफल रहा। उन्होंने जिला प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सहयोगी ग्रामीणजनों का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन बालोद से नोडल अधिकारी हिमांशु मिश्रा तथा विकासखंड सचिव सहित जिला संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटाकर किसानों ने अपनाई दलहन एवं तिलहन की खेती

बालोद (समय दर्शन)। जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटाकर किसान दलहन एवं तिलहन की खेती अपना रहे है। जिससें ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटा है। गिरते भू-जल स्तर को बचाने और कम लागत में बेहतर मुनाफा कमाने के उद्देश्य से इस वर्ष किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन और तिलहन फसलों की खेती की कर रहे हैं। कृषि विभाग के उप संचालक आशीष चन्द्राकर ने बताया कि जिले के बालोद विकासखंड के ग्राम जगन्नाथपुर में धान के रकबे में भारी कमी आई है। उन्होंने बताया कि ग्राम जगन्नाथपुर में कुल 424 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से पिछले वर्ष 380 हेक्टेयर में ग्रीष्मकालीन धान की फसल ली गई थी। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के सतत मार्गदर्शन के बाद वर्ष 2025-26 में यह रकबा घटकर मात्र 120 हेक्टेयर रह गया है। इसके साथ ही करीब 254 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों ने धान के बदले वैकल्पिक फसलों का चयन किया है।

6 फरवरी को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन

राजिम कुंभ (कल्प) नवीन मेला स्थल, लगभग 200 जोड़े का विवाह होगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन आगामी 6 फरवरी 2026 को राजिम कुंभ (कल्प) नवीन मेला स्थल,चौबेबांधा में अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा।महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने बताया कि इस आयोजन में लगभग 200 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा।जिन माता-पिता को अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों का सामूहिक विवाह कराना है,वे संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों तथा परियोजना कार्यालय में 31 जनवरी 2026 को सायं 5:30 बजे तक पंजीयन करा सकते हैं।निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।योजना के तहत कन्या को मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजनांतर्गत जारी राशन कार्डधारी परिवार का होना चाहिए।साथ ही बीपीएल के अतिरिक्त अन्य कार्डधारी भी पात्र होंगे। कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है।आयु सत्यापन के लिए वर-वधु की शैक्षणिक अंकसूची प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।कन्या एवं उसके परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना आवश्यक है। विवाह के लिए वर-वधु के माता-पिता की सहमति भी अनिवार्य है।विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को भी इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। योजना अंतर्गत वधु को 35 हजार रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।इसके अतिरिक्त 7 हजार रुपये की श्रृंगार सामग्री तथा 8 हजार रुपये विवाह आयोजन मंडप आदि मदों में व्यय किया जाएगा। चेक का वितरण विवाह स्थल में ही किया जाएगा। जिसके लिए वधु को अपने बैंक पासबुक की छायाप्रति साथ लानी होगी।जिससे चेक तैयार करने एवं वितरण में सुविधा होगी।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत दिव्यांग कन्या को समाज कल्याण विभाग के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग से भी लाभ प्रदान किया जाएगा। अंतरजातीय विवाह के प्रकरणों में अतिरिक्त लाभ आदिम जाति विकास विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र एवं निर्धन परिवारों को इसका लाभ प्राप्त कराने हेतु प्रोत्साहित करें।

सफलता की कहानी : कृतिका को मिला मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

सरकार ने हॉस्पिटल में कृतिका के इलाज के लिए 16 लाख 50 हजार रुपये की दी मदद

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार की 'मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना' राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा बनकर उभरी है। योजना के तहत दुर्लभ और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब 25 लाख रुपये तक की अधिकतम सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। इस योजना की सफलता का एक बड़ा उदाहरण जिले की बालिका कृतिका निषाद बनी हैं। कृतिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए, जिले के कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर विभाग द्वारा पत्राचार कर त्वरित कार्रवाई करते हुए फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम में उसके उच्च स्तरीय इलाज के लिए 16,50,000 रुपये की राशि स्वीकृत की। इस वित्तीय सहायता ने न केवल कृतिका के परिवार को आर्थिक कर्ज से बचाया, बल्कि उसे उचित और समय पर इलाज की सुविधा भी सुनिश्चित की।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस योजना ने अत्यंत जटिल मामलों में राहत पहुँचाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है अब तक 54 गंभीर मामलों में कुल 2,04,12,134 रुपये की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। इस राशि का उपयोग लिवर, किडनी ट्रांसप्लांट, कैंसर और हृदय रोगों जैसे महंगे उपचारों के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, राज्य का कोई भी नागरिक धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। यही सरकार की प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिक पोर्टल पर जाकर पात्र लाभार्थी इस योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यह योजना उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जिनके पास आयुष्मान भारत या अन्य बीमा योजनाओं की सीमा समाप्त हो चुकी है।

अहिवारा क्षेत्र के कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा- थाना प्रभारी भानु प्रताप साव

अहिवारा (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल अहिवारा प्रखंड अध्यक्ष योगेश साहू ने बताया कि विहिप दुर्ग जिला मंत्री (राकेश रामलोचन तिवारी) के आदेश अनुसार एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल अहिवारा प्रखंड अध्यक्ष योगेश साहू के नेतृत्व में बजरंगियों के साथ नंदिनी अहिवारा थाना प्रभारी भानु प्रताप साव, को सौजन्य मुलाकात के क्षण पश्चात साहू ने टीआई साहब से बहुत प्रसन्न होने का खुशी जताते हुए वह नगर के लोग आपसे बहुत ही प्रसन्न है क्योंकि आपने नगर में आते ही बहुत अच्छे-अच्छे कार्य किए, जैसे अवेध नशीली पदार्थ में पाबंदी और अहिवारा के विशाल मंडल मेला में सैकड़ो युवाओं का चूड़ा जपती करना कुछ लोगों का छोटे-छोटे चाकू हथियार जैसे सामग्री जपती

करना एवं नगर में शांति माहौल व्यवस्था बने रहे इसके लिए उचित कानून व्यवस्था शांति एवं सुरक्षा के साथ आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्या और आगे भी आप ऐसे ही ठोस कानून व्यवस्था बनाएंगे ऐसे में अहिवारा की युवा लोग बहुत ही प्रसन्न है,और आने वाले समय में जो नगर में भगदड़ झगड़ा लड़ाई या जान-हानि दुर्घटना जैसी संभावनाओं को रोका जा सके ऐसे हम नगर वासी को आपके ऊपर बहुत ही उम्मीद है इसी आशा के साथ हम यह महापर्व पर व पूरा थाना के स्टाफ को मकर संक्रांति के महापर्व पर तिल का लड्डू मिठाई एवं बहुत सुंदर फूलों का बुके के साथ मकर संक्रांति के महापर्व पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

थाना प्रभारी द्वारा बजरंगीयो की टीम को बधाई दी, संदेश देते हुए कहा अपराध नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था पुलिस की प्राथमिकता है, जिसमें आम नागरिकों एवं आप जैसे बजरंगी जो लगातार ऐसे मैदान में रहते हो जो लगातार गौवंश वह मानव सेवा धर्म सेवा वह विभिन्न व्यवस्था बनाए रखते हो ऐसी ही जागरूक रहे ऐसा हम आशा करते हैं, पुलिस प्रशासन के साथ सामान्य बनाकर कार्य करने की अपिल करते हुए भरोसा दिलाया कि अहिवारा क्षेत्र कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। यह शुभ कार्य में उपस्थित विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल अहिवारा प्रखंड अध्यक्ष योगेश साहू, आदित्य शर्मा, एवं अनिस जैन आदि की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थें।।

कबीर का दोहा निंदक नियरे राखिए भक्ति काल में बेईमानी है

गुरु घसीदास यूनिवर्सिटी के संदर्भ में

बिलासपुर (समय दर्शन)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा साहित्यकार, कथाकार मनोज रूपडा के सात अपमान का मामला व्यवस्था के गल जाने का प्रभाव है। साहित्य समाज का दर्पण है कहा जाता है। विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालयों में जो चल रहा है वह भी तो दर्पण है। भक्ति काल के कवि कबीर दास महान संत थे उसे समय ही कह गए निंदक नियरे राखिए आंगन कुटी छबाये बिन पानी साबुन बिना निर्मल करे सुभाय। वे भक्ति काल थे आज भक्त काल है। वह भी अंधभक्त काल जाने पति शब्द लगते ही अकल सिर चढ़कर बोलता है फिर प्रोफेसर चक्रवाल तो कुल के पति है।

वाणिज्य क्षेत्र में विशेषज्ञ हैं शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव शायद उनके विवेक को हार गया है तभी तो उन्हें कबीर का दोहा स्मरण नहीं रहा अन्यथा जिस संस्कृति के वे छद्म ध्वजा वाहक बनकर वे पद सुशोभित है। याद रखते हैं एक समय था जब आलोचना, समालोचना, समीक्षा करने वाले को मान दिया जाता था और इस दोहे को याद रखा जाता था। मीडिया भी इसलिए मन पता था कि वह व्यवस्था को उसकी असलियत बताता था पर धीरे-धीरे भक्त कल आया और इस दोहे का महत्व ही खत्म हो गया है अब तो पत्तलकार, चाटुकार, चमचे और अंत में नाम मिला गोदी, गोद में बैठकर लल्लू चप्पू करने वाला और उन पर भौंकने वाला जो सत्ता को अपना दिखाएं वह स्थिति टॉप टू बॉटम है। मेडिकल कॉलेज को बंद कर देना यश माना जाता है व्यापारी को पृथक शिक्षा बोर्ड खुलवा देना शिक्षा क्रांति माना जाता है इस सोच का प्रभाव नहीं व्यवसाय कहा जाता है। बिलासपुर की घटना के बाद छोटे-मोटे विरोध प्रदर्शन के अतिरिक्त कुछ नहीं हुआ सब जानते हैं जो बोलेंगे उन सब का मानदेय बंद हो जाएगा। वैसे भी मंच पर स्थानीय साहित्यकारों को सरसों और सरसों ही मिलता है स्वर्ण तो कुमार के मुट्ठी में जाता है।

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के मंगल प्रवेश पर उमड़ा जनसैलाब, राजनांदगांव बना आध्यात्मिक साक्षी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कारधानी राजनांदगांव मंगलवार को उस समय आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गई, जब नव पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री के आगमन पर शहर में जैन समाज सहित अहिंसा प्रेमी नागरिकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और जयघोष से गूंज उठा।

दिगंबर जैन पंचायत के सचिव सूर्यकांत जैन ने बताया कि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज अपने 24 मुनि संघ के साथ जैसे ही गुरुद्वारा चौक पहुंचे, वहां सकल जैन समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। दिगंबर जैन आदर्श महिला मंडल की महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत कर आचार्य श्री की अगवानी की। इस दौरान समाजजनों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया गया। भजन-कीर्तन के बीच आचार्य श्री को नगर भ्रमण कराते हुए दिगंबर जैन मंदिर, गंजलाइन लाया गया। यहां उन्होंने आचार्य भगवंत विद्यासागर महामुनिराज की प्रेरणा से निर्माणाधीन पाषाण जिनालय का अवलोकन किया। मंदिर निर्माण समिति को आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि यह विद्यासागर महाराज का अंतिम प्रकल्प है, इसे शीघ्र पूर्ण करना सभी का दायित्व है।

इसके बाद आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने राजनांदगांव के मूलनायक 1008 श्री नेमिनाथ भगवान के दर्शन किए। उदयाचल परिसर में नेमिनाथ भगवान के तैलचित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि जैन धर्म जीव दया का धर्म है और प्रत्येक प्राणी में भगवान बनने की क्षमता है। उन्होंने पंचम काल में भी धर्म साधना को संभव बताते हुए जीवन का सूत्र दिया— देखो, जानो और जाने दो। उन्होंने क्रोध, मान, माया और लोभ से दूर रहने का संदेश दिया। इस धार्मिक आयोजन में शहर के बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाज के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक झंझरी एवं सचिव सूर्यकांत जैन ने नगरवासियों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

350 गांवों की भागीदारी, लाखों किसानों की मौजूदगी से गिरावड़ में ऐतिहासिक किसान गरीब दास गरिमा सम्मान समारोह

रायपुर (समय दर्शन)। हरियाणा के झज्जर जिले के गिरावड़ गांव में 11 जनवरी को किसान संत गरीबदास गरिमा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसका लाइव प्रसारण एलईडी टीवी के माध्यम से ग्राम सेलुद में रखा गया जिसमें बहुत से श्रद्धालु शामिल हुए। इस समारोह में किसानों ने संत रामपाल जी महाराज को उनके सामाजिक और किसान हितैषी कार्यों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों और वाहनों के साथ जुलूस के रूप में पहुंचे। छत्तीसगढ़ के भी कई अनुयायि पहुंचे थे। संत रामपाल जी महाराज के स्वागत में पुष्प वर्षा और पारंपरिक सम्मान किया गया। किसानों द्वारा उन्हें पगड़ी, शॉल और सम्मान चिन्ह भेंट किए गए। समारोह के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बाढ़ के समय उन्हें त्वरित सहायता मिली। आयोजन स्थल पर अनुशासित व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में किसान एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। समारोह में ग्राम प्रतिनिधि, सरपंच और विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता रही। किसानों ने संत रामपाल जी महाराज को अपना सच्चा हितैषी बताया। कार्यक्रम के पश्चात सामूहिक भोजन व्यवस्था भी की गई। समारोह गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

23 जनवरी के दिन प्रदेश में मांस मंदिरा बिक्री पर रोक लगाने कबीर समुदाय और पदाधिकारियों ने दिया मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम ज्ञापन

जांजगीर (समय दर्शन)। सत्यगुरु श्री कबीर साहेब जी के सोलहवें वंशाचार्य पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब जी के चादर तिलक समारोह आगामी बसंत पंचमी 23 जनवरी 2026 को कबीर धर्म नगरी दामाखेड़ा में होने जा रहा है। इस दिन को प्रदेश में मांस मंदिरा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर गवेल समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष लालू गबेल के साथ केडीवी मिशन के जिला प्रतिनिधी श्रीमती जयमिला गवेल, आमीन माता महिला मंडल से श्रीमती अन्नपुर्णा गवेल, किरण गवेल, सन बाई गवेल, दिनेश गवेल, निनी गवेल, कुमारी गवेल, पुष्पा शेखर गबेल, दिव्य नितिन, आशा अनिल, सुशीला गवेल, लोकेश्वरी गवेल, फुलेश्वरी, सरिता गवेल, प्रमिला गवेल, भोज गवेल, रोशनी गवेल, संगीता राकेश, जयंती गवेल, फुलेश्वरी सक्ती, सरोज गवेल, तेज कुंवर गवेल, पार्वती, मीना, भगवती कर्ष, अमरूद गवेल, पोता सरपंच प्रतिनिधि महेश सारथी, चंद्रदेव गवेल, लाल बहादुर गवेल आदि कबीर पंथ के अनुयाई समुदाय द्वारा मुख्यमंत्री और सक्ती जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया है।

उक्त ज्ञापन के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन प्रशासन से मांग किया गया है कि जिला सक्ती सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में इस दिवस मांस मंदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

जाए। ज्ञातव्य हो कि सत्य गुरु श्री कबीर साहेब के ब्यालिस वंशाचार्य अवतरित होंगे जिसमें सोलहवें वंश प्रतापाचार्य पंथ श्री उदित मुनि नाम साहेब जी का तिलक चादर (वंश गद्दी राज तिलक) होगा जिसमें देश विदेश से लाखों की संख्या में साधु, संतो, महात्माओं, कबीर पंथियों का समागम होगा, यह अवसर कबीरपंथी समुदाय के लिए स्वर्णिम और सौभाग्यपूर्ण दिवस होगा।

कबीर धर्म से जुड़े लोग शुद्ध शाकाहारी और सात्विक विचारधारा से अपना जीवन यापन करते हैं जिसमें सभी जीवो के लिए दया भाव होती है इसलिए इनके द्वारा शासन प्रशासन से मांग किया गया है कि आगामी 23 जनवरी बसंत पंचमी के एक दिन को संपूर्ण प्रदेश में मांस मंदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग किया गया है।

अमित मिरी गरियाबंद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को प्रदेशभर के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की घोषणा की गई। इसी क्रम में गरियाबंद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस के लंबे समय से संघर्षशील, ऊर्जावान एवं समर्पित युवा नेता अमित मिरी की नियुक्ति की गई है।अपनी नियुक्ति पर नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अमित मिरी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहप्रभारी एस.ए. संपत कुमार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत,बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा विधायक जनक ध्रुव पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, वरिष्ठ नेता युगल किशोर पांडेय सहित समस्त वरिष्ठ नेताओं एवं नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

अमित मिरी ने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन्हें सौंपा है,उस पर वे पूरी निष्ठा,ईमानदारी और समर्पण के साथ खरे उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कांग्रेस संगठन की रीति-नीति को जमीनी स्तर तक मजबूत करने,कार्यकर्ताओं को एकजुट करने एवं जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने की प्रतिबद्धता दोहराई।उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफकांग्रेस पूरी मजबूती से आवाज बुलंद करेगी तथा आम जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

कार्यालय अधीक्षक अभियंता
लोक निर्माण विभाग,दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 09.01.2026

(ई प्राक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 29.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
329/183624	क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आर.टी.ओ.)दुर्ग एवं शासकीय महाविद्यालय बोरी जिला दुर्ग के विशेष मरम्मत कार्य	18.27
330/183625	साजा उपखण्ड के अंतर्गत कारेसरा उपखण्ड देवकर साजा खम्हरिया मार्ग (मु.जि.मा.) कि.मी. 24/6 एवं 24/8 में स्थित नाली का विशेष मरम्मत कार्य	15.12
331/183626	शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 02 नग अतिरिक्त कक्ष एवं कॉरिडोर का प्रथम तल का निर्माण कार्य	18.31
332/183627	जिला जेल कवर्धा जिला कबीरधाम छ.ग. की मुख्य बाण्ड्रीवॉल की ऊचाई बढ़ाने का कार्य	20.80

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्या की निविदा की सामान्य शर्ते,विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें

जी-252606041/1

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग, मण्डल दुर्ग

निर्माण एजेंसी, पंचायत पदाधिकारी और खनिज विभाग की संदिग्ध भूमिका पर उठे सवाल

शासकीय तालाब से खुलेआम अवैध उत्खनन, शासन को लाखों का राजस्व नुकसान

मुंगेली (समय दर्शन)। मुंगेली जिला अंतर्गत विकासखण्ड पथरिया क्षेत्र में शासकीय संपदा के अवैध दोहन का एक गंभीर मामला सामने आया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी एवं स्थल निरीक्षण के आधार पर यह तथ्य उजागर हुआ है कि ग्राम पंचायत खैरा के आश्रित ग्राम मंदवानी स्थित शासकीय तालाब से निर्माण एजेंसी अनिल बिल्डकॉन, बिलासपुर द्वारा अवैध रूप से मुरूम/मिट्टी का उत्खनन कर बैतालपुर से मदकु तक नवनिर्मित सड़क निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बैतालपुर से मदकु तक सड़क निर्माण हेतु टेंडर आमंत्रित किया गया था, जिसमें निर्माण एजेंसी अनिल बिल्डकॉन, बिलासपुर को कार्यादेश प्रदाय किया गया। निर्माण कार्य के लिए कलेक्टर कार्यालय, खनिज शाखा, मुंगेली में पदस्थ खनिज अधिकारी द्वारा अभिवहन पास (रॉयल्टी पर्ची) बुक जारी की गई।

अभिवाहन पास बुक कि आड़ में तालाब में अवैध उत्खनन

सूत्रों का दावा है कि उक्त अभिवहन पास बुक को वैध बताते हुए निर्माण एजेंसी द्वारा विगत कई दिनों से ग्राम मंदवानी स्थित शासकीय तालाब से पोलिंग मशीन एवं हाईवा वाहनों के माध्यम से खुलेआम उत्खनन किया जा रहा है। इससे न केवल तालाब की मूल संरचना को गंभीर क्षति पहुंची है, बल्कि पर्यावरण संतुलन भी प्रभावित हुआ है। साथ ही शासन को भारी राजस्व क्षति की आशंका जताई जा रही है।

पंचायत प्रस्ताव की आड़ में खेल

सूत्रों से यह भी जानकारी सामने आई है कि ग्राम पंचायत खैरा के सरपंच एवं सचिव द्वारा उक्त तालाब में सौंदर्यीकरण, समतलीकरण एवं गहरीकरण कार्य स्वीकृत होने का हवाला देते हुए प्रस्ताव पारित किया गया, जिसे आधार बनाकर निर्माण एजेंसी को लाभ पहुंचाया गया। इसी प्रस्ताव के आधार पर खनिज विभाग द्वारा अभिवहन पास बुक जारी किया जाना प्रथम दृष्टया नियमों के विपरीत प्रतीत होता है।

खनिज अधिकारी की भूमिका संदेह के घेरे में

पूरे प्रकरण में संबंधित खनिज अधिकारी की भूमिका पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि पद का दुरुपयोग करते हुए निर्माण एजेंसी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया तथा शासकीय खनिज संपदा के अवैध दोहन में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष सहभागिता निभाई गई। यह मामला छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, खनिज संरक्षण अधिनियम, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम एवं छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है।कलेक्टर से स्वतंत्र जांच की मांग

इस गंभीर मामले को लेकर द्वारा जिला कलेक्टर मुंगेली को विस्तृत प्रतिवेदन सौंपते हुए।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच दल के गठन

स्थलवार जांच,जीपीएस मैपिंग कैमरा से दिनांक-समय युक्त फोटो-वीडियो रिकॉर्डिंग, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक व विभागीय कार्यवाही, अवैध रूप से जारी अभिवहन पास बुक को निरस्त करने तथा जांच के दौरान शिकायतकर्ता को उपस्थित रहने का अवसर देने की मांग की गई है।फोटो साक्ष्य भी संलग्न शिकायत के साथ शासकीय तालाब से पोलिंग मशीन द्वारा उत्खनन कर हाईवा में लोड करते हुए फेटो साक्ष्य भी संलग्न किए गए हैं, जिससे मामले की गंभीरता और पुष्ट होती है।

अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर प्रकरण पर कितनी शीघ्रता और निष्पक्षता से संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है। जनहित, पर्यावरण संरक्षण और शासकीय संपदा की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की भूमिका पर आमजन की निगाहें टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त-खबर

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम को कायाकल्प सत्र 2024-25 में प्रथम पुरस्कार

सारँगढ़- टारजन महेश (समय दर्शन)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने एक बार फिर उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और गुणवत्ता मानकों के पालन के दम पर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। कायाकल्प सत्र 2024ङ्क25 के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने जिले में 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम पुरस्कार हासिल किया।

यह उपलब्धि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर. निराला के निर्देशानुसार, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. एल. सिदार के मार्गदर्शन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार के सहयोग एवं संस्था प्रभारी ओमप्रकाश कुर्रे के कुशल नेतृत्व में संभव हो सकी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व कायाकल्प सत्र 2020ङ्क21 में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने रायगढ़ जिले के 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की थी। गुणवत्ता सुधार के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (ह्वक्र) का प्रमाणीकरण अप्रैल 2025 में प्राप्त हो चुका है। इस उपलब्धि में भी संस्था ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो कि स्वास्थ्य सेवाओं की उच्च गुणवत्ता, स्वच्छता, रोगी संतुष्टि एवं बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है।

इसके अतिरिक्त, संस्था को अब तक तीन बार सांत्वना पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं, जो निरंतर सुधार और उत्कृष्ट प्रयासों को दर्शाते हैं। इस समस्त उपलब्धियों के पीछे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम के समस्त डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ पैरामेडिकल स्टाफएवं सहयोगी कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका और टीमवर्क रहा है। सभी के समर्पित प्रयासों के कारण ही संस्था ने यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है।

युवा नेतृत्व को मजबूती एनसीपी यूथ संगठन में नई नियुक्ति

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) यूथ संगठन के विस्तार को मजबूती देते हुए ग्राम छातोना निवासी रामपाल सिंह को यूथ ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष यूथ एनसीपी पार्टी रवेशकर गोरख के द्वारा विधिवत नियुक्ति पत्र प्रदान कर की गई। यह नियुक्ति नीलेश बिस्वास प्रदेश अध्यक्ष, एनसीपी छत्तीसगढ़ के स्पष्ट निर्देशन में, अजीत पवार साहेब के मार्गदर्शन, माननीय प्रफुल्ल पटेल की दूरदर्शी सोच तथा बृजमोहन श्रीवास्तव जी के संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत की गई है।

प्रदेशभर में युवाओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करने की दिशा में एनसीपी यूथ पार्टी द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में नियुक्तियां सुचारू रूप से और योजनाबद्ध तरीके से की जा रही हैं। यह नियुक्ति उसी क्रम में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनसीपी यूथ पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि रामपाल सिंह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ऊर्जा और समर्पण के साथ करते हुए संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे तथा युवाओं की आवाज़ को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

कलेक्टर ने ली जिले के राइस मिलर्स की बैठक

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राइस मिलर्स की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि धान उठाव, मिलिंग सहित अन्य प्रक्रिया को शासन के निर्देशानुसार सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी का कार्य अब अंतिम चरण पर है इस दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समस्त प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत पालन किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि धान उठाव से लेकर मिलिंग तक की पूरी प्रक्रिया शासन के दिशा निर्दशों के अनुरूप पालन कर करें।

बैठक में कलेक्टर ने गाड़ियों की आवाजाही, लोडिंग, धान उठाव एवं मिलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि धान परिवहन में लगी प्रत्येक गाड़ी के आगे एवं पीछे नंबर प्लेट की फोटो अनिवार्य रूप से ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो सके। लोडिंग के संबंध में उन्होंने गाड़ियों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही लोडिंग सुनिश्चित करने कहा। साथ ही अनावश्यक या लंबे समय तक गाड़ियों को रोके जाने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने सतर्क एप के माध्यम से प्राप्त होने वाले अलर्ट्स पर विशेष ध्यान देने को कहा।

पूर्व विधायक डॉ छबि लाल रात्रे , शंकर जांगड़े, देव कोसले सहित दर्जनों लोगों ने की घर वापसी

सारंगढ़ पुष्पवाटिका में बहन मायावती के 70वें जन्मदिन पर भव्य कार्यक्रम

टारजन महेश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ - (समय दर्शन)। सारँगढ़ स्थित पुष्पवाटिका में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं दलित-पिछड़ा वर्ग की सशक्त आवाज बहन मायावती के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने हजारो संख्या में उपस्थित होकर बहन मायावती के दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

बसपा प्रदेश प्रभारी अशोक सिद्धार्थ, बसपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टण्डन, पूर्व विधायक इंदु बंजारे, पूर्व विधायक लाल साय खूंटे, ने जैतखंभ का पूजा अर्चना कर के महापुरुषों का तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया । पूरा वातावरण बाबा साहब अमर रहे ,बहन जी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बसपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टण्डन, प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला स्थानीय बसपा नेतृत्व द्वारा की गई।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम टण्डन ने कहा कि बहन मायावती ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा संविधान, सामाजिक न्याय एवं बहुजन समाज के सम्मान के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहते हुए कानून-व्यवस्था, सामाजिक समरसता और विकास की नई मिसाल पेश की। आज उनका 70वां जन्मदिवस पूरे देश के बहुजन समाज के लिए उत्सव का दिन है।

प्रदेश प्रभारी पूर्व अशोक सांसद सिद्धार्थ ने अपने संबोधन में कहा कि बहन मायावती ही एकमात्र ऐसी नेता हैं जिन्होंने दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज को सत्ता में भागीदारी दिलाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आने वाले चुनावों के लिए पूरी मजबूती से जुटने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पूर्व विधायक एवं कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिसे राजनीतिक हलकों में बड़ी घटना माना जा रहा है। घर वापसी करने वाले नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का बसपा नेतृत्व ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त लोग अब बहुजन समाज पार्टी की ओर लौट रहे हैं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बहन मायावती के संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक आंदोलन में योगदान और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही संकल्प लिया गया कि बहुजन समाज पार्टी को गांव-गांव, बूथ-बूथ तक मजबूत किया जाएगा।

कार्यक्रम में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया तथा शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रभारियों और अनुपस्थित सहायक शिक्षकों की मिलीभगत से एफएल एन प्रशिक्षण केन्द्रों में फर्जी प्रशिक्षार्थी का पंजीयन जांच का आदेश

प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए आदेश जारी हुआ था उनके स्थान पर दूसरों को भेजने वाले प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों के विरुद्ध होगी कार्यवाही

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। एफएल.एन (नवीन पाद्य पुस्तक) प्रशिक्षण हेतु सरायपाली विकासखण्ड में निर्धारित तीन प्रशिक्षण जोन झिलमिला, पैकिंन, तोरेसिंहा में प्रशिक्षण हेतु चयनित प्रधान पाठक/सहायक शिक्षक उपस्थित न होकर उनके स्थान दूसरे प्रधान पाठक/सहायक शिक्षक बिना लिखित आदेश के उपस्थित होकर प्रशिक्षण लेने वाले व दूसरे प्रधान पाठक/सहायक शिक्षक के पास बिना लिखित आदेश के प्रशिक्षण केन्द्र में पंजीयन कर प्रशिक्षण देने वाले जोन प्रशिक्षण प्रभारियों एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आदेश सूची में चयनित प्रधान पाठक/सहायक शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में अनुपस्थित रहने वालों और जोन प्रशिक्षण केन्द्रों को निरीक्षक न करने वाले जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरुध्द कार्यवाही करने के सम्बन्ध में कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र, समग्र शिक्षा सरायपाली के व्दारा आदेश क्र./868/एस.एस./एफ.एल.एन. प्रशि./2025-26 आदेश दिनांक सरायपाली दिनांक 02/01/2026 के उल्लेख अनुसार संदर्भ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद छ..ग.शंकर नगर रायपुर के आदेश क्र../एफएल एन/ प्रा.स्तर प्रशि./2025-26 /2229 रायपर दिनांक 05.07.2025 को लेकर पारित आदेश के उल्लेख अनुसार एफएल.एन. (नवीन पाद्य पुस्तक) प्रशिक्षण - ब्लेण्डेड मोड (ऑफ्लाइन) में उपस्थिति विषयक में प्राथमिक शाला के शिक्षकों को एफएल.एन.अंतर्गत नवीन पाठय पुस्तकों पर जोन स्तर पर ब्लेण्डेड मोड (ऑफ्लाईन) में प्रशिक्षण दिए जाना था। जिसके तहत प्रथम चरण में आदेश में उल्लेख सूची के संबंधित प्रधान पाठक/सहा.शिक्षक का ऑफ्लाईन प्रशिक्षण जोन आधारित दिनांक 05.01.2026 से दिनांक 09.01.2026 तक समय प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक आयोजित होना था।

इस उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षाथी समय एवं उचित स्थान पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु आदेश जारी किया था। उपरोक्त आदेश सूची में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु जिन प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों का नाम उल्लेख है इनके स्थान पर बिना लिखित आदेश के दूसरे प्रधान पाठक/सहायक शिक्षक उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं जो पूर्णत: आदेश का अवहेलना है। उक्त प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों का कृत्य सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विरुध्द है उपरोक्त आदेश सूची में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु जिन प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों का नाम उल्लेख है वह उपस्थित न होकर उनके स्थान पर दूसरे प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों को जोन प्रशिक्षण प्रभारियों व्दारा प्रशिक्षण केन्द्रों में पंजीयन कर उपस्थिति लेकर प्रशिक्षण दिया गया है जो जोन प्रशिक्षण प्रभारियों का घोर कदाचार को दर्शाता है। आदेश सूची में प्रशिक्षण लेने हेतु जिन प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों का नाम उल्लेख है उन प्रधान पाठक/सहायक शिक्षकों प्रशिक्षण लेने हेतु सम्बन्धित जोन प्रशिक्षण केन्द्र में पंजीयन और उपस्थिति दर्ज नहीं है। बिना लिखित आदेश से प्रशिक्षण केन्द्रों में उपस्थित न होना। उच्च कार्यालय के आदेश का अवहेलना है जो शासकीय सेवक/कर्मचारी के कर्तव्यहीन को दर्शाता है। विकासखण्ड सरायपाली में तीनों प्रशिक्षण जोन में निरीक्षक जिम्मेदार व अधिकृत अधिकारी/कर्मचारीयों के व्दारा समय-समय पर नहीं है जिसके कारण यह चूक हुआ है।

जिन्हें जिम्मेदारी मिला था निरीक्षक करने का उनके व्दारा निरीक्षण नहीं करना उन अधिकारी/कर्मचारियों का कर्तव्य उदासीनता प्रतित होता है। उक्त सम्बन्ध में अभिनय शाह निवासी संजय नगर सरायपाली ने उच्चाधिकारियों को शिकायत किया जिसको लेकर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी महासमन्द (छ.ग.) के आदेश क्रमांक/310/ सतर्कता/जांच/2026 महासमुन्द, दिनांक 15.01.2026 के अनुसार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सरायपाली एवं प्राचार्य शासकीय कन्या उ. मा. वि. सरायपाली को संयुक्त कमेटी बनाकर शिकायत के चार बिंदुओं को जांच कर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द (छ.ग.) में पांच दिवस पर जांच कर प्रतिवेदन अभिमत सहित प्रस्तुत करने का आदेशित किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम धपई में हितग्राहियों से किया सीधा संवाद

प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित आवासों को गति देने हो रहा आवास चौपाल का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत अप्रारंभ एवं प्रगतिरत लंबित आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिले में व्यापक स्तर पर आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्डों की सर्वाधिक अपूर्ण आवास वाली ग्राम पंचायतों में दिनांक 09 फरवरी तक प्रतिदिन आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम धपई में आयोजित आवास चौपाल में हितग्राहियों से सीधे संवाद किया। आवास चौपाल के दौरान नवीन स्वीकृत आवासों के अप्रारंभ कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने तथा निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। हितग्राहियों ने अपनी समस्याएँ सीधे जिला पंचायत सीईओ के समक्ष रखीं, जिन पर त्वरित समाधान की कार्यवाही की गई। साथ ही सभी हितग्राहियों को 31 मार्च 2026 तक लंबित समस्त आवासों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित संबंधित नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं आवास योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

बता दें कि आवास चौपाल के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए जिला एवं जनपद पंचायत स्तर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनके माध्यम से ग्राम पंचायतों में हितग्राहियों को एकत्रित कर आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की जा रही है तथा समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु आवश्यक समझाइश दी जा रही है। साथ ही हितग्राहियों की मैदानी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ली मेला समिति, जनप्रतिनिधियों के साथ विभागीय अधिकारियों की बैठक

आगामी माघी मेला शिवरीनारायण: बेहतर आयोजन को लेकर सुरक्षा व व्यवस्थाओं पर दिए आवश्यक निर्देश

जांजगीर-चांपा(समय दर्शन)। आगामी माघी पुन्नी मेला के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन को लेकर नगर पंचायत शिवरीनारायण सभाकक्ष में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से जनप्रतिनिधियों, मेला महोत्सव समिति तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर एवं एसपी ने मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी, ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने, तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने घाट किनारे स्नान एवं सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, अनाउंसमेंट सिस्टम, रूटचार्ट, मेला ग्राउंड की साफ-सफाई, शौचालय और पार्किंग व्यवस्था को समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान मेला ग्राउंड, मेला महोत्सव स्थल, चौपाटी, बाईपास रोड, नदी तट

और पार्किंग स्थल का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर ने मेला के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने एसडीआरएफ एवं बचाव दल को सतत सजग एवं तैनात रखने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही नौकाचालन के दौरान सुरक्षा जैकेट व विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त व्यवस्था संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मेला अवधि के दौरान लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल आवश्यक कदम सुनिश्चित किए जाएं। इसके अलावा मेला स्थल, मंदिर परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा चौपाटी एवं मेला ग्राउंड में व्यवस्थाएं और अधिक मजबूत करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने मेले में पुलिसबल व विशेष वैलेंटियर्स की विशेष तैनाती करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पार्किंग व्यवस्था, बेरिकेडिंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में दिशा निर्देश दिए। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री राहुल थवाईत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप आदि उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26